देश का Darpan News TV
FW FASTWAY
airtel
Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे
सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
© 7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web : www.deshkadarpannews.co

वर्ष-5, अंक: 101 | जयपुर बुधवार ,22 अक्टूबर 2025 | मूल्य : 5.00 पेज:

स्वदेशी अपनाएं, सभी भाषाओं का सम्मान करें: पीएम मोदी

राजेश चौहान
नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीवाली के खास मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने दीवाली के खास मौके पर देशवासियों के नाम एक खास पत्र लिखा है। इस पत्र में पीएम मोदी ने लिखा कि अयोध्या में राम मंदिर के भव्य निर्माण के बाद यह दूसरी दीवाली है। पीएम मोदी ने अपने पत्र में लिखा कि भगवान श्रीराम हमें हमेशा धर्म का पालन करना सिखाते हैं और अन्याय से लड़ने का साहस देते हैं। इसका जीवंत उदाहरण हाल के दिनों में ही ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखने को मिला। जब इस ऑपरेशन में भारत ने धर्म का पालन किया और अन्याय का बदला लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पत्र में दीवाली के इस उत्सव पर खास महत्व दिया और लिखा कि दूर-दराज के इलाकों सहित कई जिलों में दीये रोशन होंगे, जहां नक्सलवाद और माओवादी आतंक का खात्मा हो गया है। पीएम मोदी ने अपने पत्र में उन लोगों की तारीफ भी की है, जिन्होंने हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने, नक्सलवाद छोड़ने और संविधान को अपनाने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने इस फैसले को भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया।

पीएम ने जवानों संग मनाई दीवाली

गौरतलब है कि सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने दीवाली का प गोवा और कारवार (कर्नाटक) के तटों पर आईएनएस विक्रांत पर नेवी के जवानों के साथ मनाया। इस खास मौके को उन्होंने ऐतिहासिक करार दिया। पीएम मोदी साल 2014 से हर साल दीवाली जवानों के साथ ही मनाते आए हैं। उन्होंने साल 2014 में सियाचिन में जवानों के साथ दीवाली मनाई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र के माध्यम से बताया कि जीएसटी बचत उत्सव के दौरान नागरिकों की हजारों करोड़ रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि कई संकटों से गुजर रही दुनिया में भारत स्थिरता और संवेदनशीलता दोनों का प्रतीक बनकर उभरा है। भारत भविष्य में दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने देशवासियों से की ये खास अपील
प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र के माध्यम से बताया कि जीएसटी बचत उत्सव के दौरान नागरिकों की हजारों करोड़ रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि कई संकटों से गुजर रही दुनिया में भारत स्थिरता और संवेदनशीलता दोनों का प्रतीक बनकर उभरा है। भारत भविष्य में दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

स्वदेशी अपनाने की कही बात

पीएम ने कहा कि विकसित और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा में नागरिकों की प्राथमिक जिम्मेदारी राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा करना है। अपने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की बात कही। उन्होंने एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को बढ़ावा देने, सभी भाषाओं का सम्मान करने और स्वच्छता को बनाए रखने की अपील की। पीएम मोदी ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और भोजन में तेल का उपयोग 10 प्रतिशत क करने के साथ योग को अपनाने का भी सुझाव दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पत्र में लिखा कि दीवाली का पर्व यह भी हमें सिखाता है कि जब एक दीप दूसरे दीप से जलता है, तो उसका प्रकाश कभी कम नहीं होता है, बल्कि बढ़ जाता है। पीएम ने बताया कि ठीक इसी भावना से हमें दीवाली पर अपने समाज में सहयोग, सकारात्मकता और सद्भाव के दीप जलाने हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दीवाली की शुभकामनाएं दी हैं।

तकनीकी खराबी के बाद लौटा एयर इंडिया एक्सप्रेस का बोइंग 737

नई दिल्ली
असम के गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान सोमवार को तकनीकी खराबी आने के बाद गुवाहाटी वापस लौट गई। समस्या को ठीक करने के बाद विमान को दोबारा रवाना किया गया और यह शाम को सुरक्षित डिब्रूगढ़ पहुंच गया। हालांकि, एयरलाइन कंपनी की तरफ से अब तक गड़बड़ी की जानकारी साझा नहीं की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, बोइंग 737 मैक्स 8 विमान ने गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दोपहर 12:20 बजे उड़ान भरी थी और इसे 1:25 बजे डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर उतरना था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यहां प्रधानमंत्री आवास पर भेंट कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में अपने बहुमूल्य समय और स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता और प्रधानमंत्री मोदी का सान्निध्य और उनका आशीर्वाद नई ऊर्जा और संकल्प के साथ दिल्ली की सेवा में और अधिक समर्पण से कार्य करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीर भी साझा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री को दी बधाई

नई दिल्ली
जापान की संसद ने मंगलवार को अति-रूढ़िवादी साने ताकाइची को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना। 64 वर्षीय ताकाइची ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की ओर से चुनाव जीतते हुए संसद के निचले सदन में 237 वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्वंदी योशिहिको नोडा को 149 वोट मिले। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की बात कही। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साने ताकाइची को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जापान की प्रधानमंत्री बनने पर आपको हार्दिक बधाई। भारत-जापान के विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। हमारे मजबूत रिश्ते इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए बेहद अहम हैं।

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं साने ताकाइची को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद अल नहयान ने भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे जापान के साथ संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का केरल दौरा: सबरीमाला में करेंगी दर्शन, कई कार्यक्रमों

नई दिल्ली
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 से 24 अक्तूबर तक केरल का चार दिवसीय दौरा करेंगी। यह जानकारी राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में दी गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति 21 अक्तूबर की शाम को तिरुवनंतपुरम पहुंचेंगी। 22 अक्तूबर को राष्ट्रपति सबरीमाला मंदिर में दर्शन और आरती करेंगी। 23 अक्तूबर को राष्ट्रपति तिरुवनंतपुरम राजभवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति के. आर. नारायणन की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। इसके बाद वे वर्कला स्थित शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु की महासमाधि शताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह का शुभारंभ करेंगी।

आईएनएस विक्रांत पर पीएम ने मनाई दीवाली

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर साल की तरह इस बार भी दीवाली जवानों के साथ मनाई। पीएम मोदी ने इस साल रोशनी के इस त्योहार को गोवा और कारवार के तटों पर आईएनएस विक्रांत पर नेवी के जवानों के साथ मनाया। इस दौरान पीएम ने जवानों को अपने हाथ से मिठाईयां खिलाई। उनके साथ बात की साथ ही उनके साहस और शौर्य की सराहना की। पीएम मोदी ने गोवा और कारवार के तटों पर आईएनएस विक्रांत पर दीवाली मनाते हुए कहा कि मैं खुश किस्मत हूं कि इस बार दीवाली का ये पवित्र त्योहार नौसेना के सभी बहादुर सैनिकों के बीच मना रहा हूं।

'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर गाया गीत
क्टर विक्रांत पर पीएम मोदी के लिए नौसेना के जवानों ने गीत ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर एक गीत भी गाया, जिसके बोल थे- कसम सिंदूर की।

आईएनएस विक्रांत पर जवानों का योग
आईएनएस विक्रांत पर पीएम मोदी ने जवानों को योग करते हुए देखा, जिसकी तस्वीरें खुद पीएम ने साझा कीं।

मिग-29 ने उड़ान भरी
फिर आया वो पर जिसे देखकर हर किसी का सीना गर्व को चौड़ा हो जाता है। आईएनएस विक्रांत पर मिग-29 ने उड़ान भरी जिसमें भारतीय वायुसेना के कौशल को दुनिया से सामने प्रदर्शित किया। दिन के उजाले और अंधेरी रात में, एक छोटे से रनवे पर मिग-29 लड़ाकू विमानों का उड़ान भरना और उतरना, कौशल, अनुशासन और तकनीकी उत्कृष्टता का एक अद्भुत प्रदर्शन था।

'सेना और पुलिस का एक ही मिशन', समन्वय पर जोर

भारत की सुरक्षा के लिए खड़ा हर व्यक्ति एक ही भावना का प्रतीक है: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली
दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि सेना और पुलिस के मंच भले ही अलग हों, लेकिन उनका मिशन एक ही है देश की सुरक्षा। उन्होंने कहा कि 'अमृत काल' में प्रवेश करते हुए और 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भारत की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा को संतुलित करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि गृह मंत्री के रूप में उन्होंने पुलिस के कार्यों को और रक्षा मंत्री के रूप में सेना की गतिविधियों को करीब से देखा है। उन्होंने कहा, "चाहे दुश्मन सीमा पार से आए या हमारे बीच छिपा हो, भारत की सुरक्षा के लिए खड़ा हर व्यक्ति एक ही भावना का प्रतीक है।"

'पुलिस की नैतिक और आधिकारिक जिम्मेदारी'
राजनाथ सिंह ने पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि वह न केवल अपनी आधिकारिक जिम्मेदारी निभा रही है, बल्कि नैतिक कर्तव्यों का भी बखूबी निर्वहन कर रही है। उन्होंने कहा, "आज देशवासियों को भरोसा है कि अगर कुछ गलत होता है, तो पुलिस उनके साथ खड़ी होगी।" उन्होंने पुलिस के प्रति जनता के बढ़ते विश्वास पर जोर दिया और इसे एक सकारात्मक बदलाव बताया। रक्षा मंत्री ने नक्सलवाद को आंतरिक सुरक्षा के लिए लंबे समय से चुनौती बताया, लेकिन इस समस्या को जड़ से खत्म करने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सभी अर्धसैनिक बलों और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से नक्सलवाद पर काबू पाया जा रहा है।

राजनाथ सिंह ने गर्व के साथ कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी नक्सलियों का आतंक था, वहां अब सड़कें, अस्पताल, स्कूल और कॉलेज बन रहे हैं।

महाराष्ट्र में 4 साल में 124 बाघों और 537 तेंदुओं की मौत कैसे हुई

नई दिल्ली
महाराष्ट्र में बाघ और तेंदुओं को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। 2022 से सितंबर 2025 के बीच राज्य में 142 बाघ कम हो गए हैं और 537 तेंदुओं की भी मौत हो चुकी है। वहीं, ज्यादातर बाघों और तेंदुओं की मौत की वजह अवैध शिकार, दुर्घटना और बिजली के झटके लगने के कारण हुई है। नागपुर के वन संरक्षक अधिकारी ने एक आरटीआई के जवाब में यह आंकड़ें पेश किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में इस साल सितंबर तक 35 बाघ और 115 तेंदुओं की जान गई है। इससे पहले 2024 में 26, 2023 में 52 और 2022 में 29 बाघों की मृत्यु हुई थी।

मौत की वजह क्या?
इनमें 21 बाघों की मौत की वजह प्राकृतिक कारण हैं। वहीं, दुर्घटना से 5, बिजली के झटके लगने और अवैध शिकार से 5 बाघ मारे गए। हालांकि, 4 बाघों की मरने की वजह साफ नहीं है। वन अधिकारी के अनुसार, कई शिकारी बाघों और तेंदुओं को खाल या पंजों के लिए निशाना बनाते हैं। ब्लैक मार्केट में इनकी कीमत लाखों में होती है। वहीं, पशुओं पर हमलों को रोकने के लिए भी उन्हें मार दिया जाता है।

तेंदुओं की मौत के आंकड़े
तेंदुओं की बात करें तो 2025 में 115 तेंदुओं की जान गईं, जिनमें 44 तेंदुए प्राकृतिक कारणों से मरे। 42 दुर्घटना, 2 शिकार, 3 बिजली की झटको और 21 तेंदुओं की मौत अन्य कारणों से हुई।

बता दें कि स्टेटस ऑफ टाइगर्स इन इंडिया रिपोर्ट 2022 के अनुसार, महाराष्ट्र में बाघों की संख्या 444 दर्ज की गई थी।

दुष्कर्म मामले में मामूली पेनिट्रेशन भी रेप माना जाएगा: बॉम्बे हाईकोर्ट

नई दिल्ली
बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने एक अहम फैसले में साफ किया है कि नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराध में मामूली सा भी पेनिट्रेशन को भी बलात्कार माना जाएगा और ऐसी स्थिति में कंसेट का कोई महत्व नहीं है। यानी अगर नाबालिग ने सहमति दे भी दी हो तो इसे रेप माना जाएगा। यह फैसला पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेस) अधिनियम के तहत बच्चों को दी जाने वाली सुरक्षा के तहत दिया गया है। कोर्ट ने वर्धा जिले के हिंगनघाट के एक 38 वर्षीय ड्राइवर की अपील खारिज करते हुए, दो नाबालिग लड़कियों (5 और 6 साल) पर यौन हमले के प्रयास के लिए उसकी 10 साल की सजा और 50,000 रुपये के जुर्माने को बरकरार रखा। जस्टिस निवेदिता मेहता ने अपने फैसले में कहा कि जैसे ही कोई व्यक्ति नाबालिग के निजी अंगों में किसी भी अंग से प्रवेश करता है, इसे बलात्कार या गंभीर यौन हमला माना जाता है। पेनिट्रेशन की गहराई इस मामले में अप्रासंगिक है।

बच्चों को अमरूद का लालच देकर किए रेप की कोशिश की
अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने बच्चों को अमरूद का लालच देकर और अश्लील वीडियो दिखाकर यौन हमले का प्रयास किया। कोर्ट ने पाया कि अभियोजन ने पीड़िताओं और उनकी मां के विश्वसनीय बयानों के आधार पर मामले को साबित किया। मेडिकल और फॉरेंसिक साक्ष्यों ने और बल दिया। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि 15 दिन बाद मेडिकल जांच में चोट के निशान न मिलने से अपराध की विश्वसनीयता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, क्योंकि पीड़िताओं की कम उम्र के कारण चोट के निशान ठीक हो सकते हैं। आरोपी ने परिवारिक दुश्मनी के आधार पर झूठे फंसाने का दावा किया, लेकिन कोर्ट ने इसे सबूतों के अभाव में खारिज कर दिया। साथ ही, एफआईआर दर्ज करने में देरी को भी उचित ठहराया गया, क्योंकि पीड़िताएं कम उम्र की थीं और आरोपी ने उन्हें धमकियां दी थीं।

पुराने फैसले में भी किया सुधार
इस मामले में हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की एक कानूनी गलती को सुधारा, जिसमें 2019 में संशोधित पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों को गलत तरीके से लागू किया गया था।

अपराध 19 फरवरी, 2014 को हुआ था, इसलिए उस समय लागू कानून के आधार पर सजा तय होनी चाहिए थी। जस्टिस मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का 20 साल की न्यूनतम सजा और पॉक्सो की धारा 18 का उपयोग गलत था।

जीएसटी रिलीफ के बाद बाजार में लौटी रौनक

नई दिल्ली
जीएसटी की दरें घटने के बाद पहली दीवाली लोगों के लिए शानदार रही। इस साल दीवाली के मौके पर बाजारों में रौनक देखने को मिली। बताया जा रहा है कि जीएसटी में कटौती के बाद खपत में तेजी आई है। देश के मध्यम वर्गीय परिवारों ने इस त्योहारी सीजन में दिल खोलकर खरीदारी की है। दरअसल, इस साल दीवाली के मौके पर लोगों ने लैब में बने हीरे से लेकर कपड़ों, घरों की सजावट, वाहन समेत हर वस्तुओं पर खूब खर्च किया है। जीएसटी दरों के कम होने के बाद बाजार के छोटे और प्रीमियम सेगमेंट में तेजी देखने को मिल रही है।

जीएसटी कटौती के बाद बाजारों में लौटी रौनक
टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में बाजार में सुस्ती देखने को मिली। कपड़ों के मार्केट में देखें, तो रेमंड्स ने 1000 से 2500 रुपये के कपड़ों की मांग में इजाफा होने की बात कही है। वहीं, स्वीडिश खुदरा विक्रेता आइकिया ने बड़े पैमाने पर प्रीमियम उत्पादों की मांग में बढ़ोतरी की बात कही है। इस साल की तुलना में पिछले साल स्थिर वेतन और सुस्त रोजगार के कारण मध्यम वर्गीय परिवार ने अपने खर्चों पर अंकुश लगाया था। इसके कारण व्यापक स्तर पर मांग प्रभावित हुई थी।

केवल जीएसटी में कटौती ही नहीं, बल्कि केंद्र सरकार ने इस साल के बजट में बड़े स्तर पर टैक्स में छूट दी। इसके कारण लोगों बड़ी राहत हुई। मिडिल क्लास परिवार अब बचत कर पा रहे हैं।

पुणे के शनिवार वाडा में नमाज पर विवाद, बीजेपी सांसद ने गौमूत्र से किया 'शुद्धिकरण'

पुणे
महाराष्ट्र के पुणे में ऐतिहासिक शनिवार वाडा में मुस्लिम महिलाओं के नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल होने के बाद हिंदू संगठनों और बीजेपी सांसद मेधा कुलकर्णी ने गौमूत्र छिड़ककर और शिव वंदना करके 'शुद्धिकरण' समारोह आयोजित किया इस घटना ने महाराष्ट्र में तीखा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। विपक्ष ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया है। मेधा कुलकर्णी ने शनिवार वाडा को मराठा साम्राज्य का प्रतीक बताते हुए इसे नमाज के लिए अनुचित स्थान करार दिया। उन्होंने कहा, "यह पुणेकरों के लिए चिंता और आक्रोश का विषय है। हमने शनिवार वाडा में शिव वंदना की और स्थान को शुद्ध किया। हम भगवा झंडा फहराना चाहते थे, लेकिन अधिकारियों ने रोक दिया।" विपक्षी नेताओं ने बीजेपी सांसद की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। एनसीपी की प्रवक्ता रूपाली पाटिल ठोंबरे ने पुलिस से मेधा कुलकर्णी के खिलाफ सांप्रदायिक तनाव भड़काने का मामला दर्ज करने की मांग की।

अंता विधानसभा उपचुनाव - 2025 -जनरल ऑब्जर्वर सुभाश्री नंदा ने किया मतदान केंद्रों, चेक पोस्टों का निरीक्षण एवं जिला अधिकारियों के साथ की बैठक

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर सुभाश्री नंदा ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों एवं चेक पोस्टों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्वाचन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान नंदा ने मतदान केंद्रों पर बिजली, पानी, शौचालय, रैम्प, शेड, व्हीलचेयर एवं प्रतीक्षा स्थल जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का जायजा लिया।

उन्होंने विशेष रूप से दिव्यांग मतदाताओं, वरिष्ठ नागरिकों और महिला मतदाताओं के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा निर्देश दिया कि मतदान दिवस 11 नवम्बर को सभी मतदाताओं के लिए सुरक्षित एवं सुगम वातावरण सुनिश्चित किया जाए।

जनरल ऑब्जर्वर ने चेक पोस्टों का भी दौरा किया और वहां पर की जा रही वाहनों की जांच, सीसीटीवी निगरानी, वीडियोग्राफी, सामग्री की जब्ती एवं दस्तावेजीकरण प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन नियमों की कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद नंदा ने सर्किट हाउस बारां में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु के साथ बैठक की। बैठक में निर्वाचन तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों की स्थिति, फ्लाइंग स्क्वाड, एसएसटी टीमों की गतिविधियों तथा मतदाता जागरूकता अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई।

जनरल ऑब्जर्वर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि 11 नवम्बर को होने वाला मतदान शांतिपूर्ण, पारदर्शी और शत-प्रतिशत मतदान वाला हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे पूर्ण निष्पक्षता और सजगता से संपन्न कराया जाना चाहिए।

इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अंता हवाई सिंह यादव, लाइजनिंग ऑफिसर एवं सहायक निदेशक जूही अग्रवाल, पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोटपूतली-बहरोड़ के घिलोठ में स्थापित होगा प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट

जयपुर। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट हेतु 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड). भूमि का आवंटन किया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एक एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और ई-बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पार्ट्स का भी निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार निरन्तर फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्यमेक इन इण्डियाह्न संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को इलेक्ट्रो मॉबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे।

उन्होंने कहा कि ई-बसों के संचालन से राज्य में ग्रीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्चाधिकारियों सहित पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रबंध निदेशक श्री सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक श्री गजेन्द्र यादव, निदेशक श्री दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड श्री हरीश यादव उपस्थित रहे।

छठ पूजा की तैयारी जोरों पर: पटना सिटी में गंगा घाटों की सफाई में जुटे स्थानीय लोग

पटना सिटी, बिहार - दीपावली के बाद अब छठ पूजा की तैयारी जोरों पर है। पटना सिटी में गंगा घाटों की सफाई में स्थानीय लोग जुटे हुए हैं। राजा घाट, हनुमान घाट, गाय घाट सहित अन्य घाटों पर सफाई का काम जोरों पर है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि छठ पूजा के लिए गंगा घाटों को साफ-सुथरा बनाने के लिए वे पूरी तरह से जुटे हुए हैं। वे घाटों की सफाई, रंग-रोगन और सजावट में लगे हुए हैं।

पटना सिटी के प्रशासन ने भी छठ पूजा के लिए विशेष तैयारी की है। घाटों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और प्रशासन की टीमें घाटों पर तैनात की गई हैं।

छठ पूजा के लिए पटना सिटी में उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोग छठ पूजा के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वे अपने घरों को सजाने और घाटों पर पूजा की तैयारी में जुटे हुए हैं।

अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 मतदान पूर्व और मतदान दिवस पर मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति द्वारा प्रिंट विज्ञापनों का पूर्व-प्रमाणन

जयपुर। निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा के चुनाव और 8 विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों की तारिखों की घोषणा कर दी है। अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान की तिथि 11 नवंबर, 2025 (मंगलवार) निर्धारित की गई हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवीन महाजन ने बताया कि निष्पक्ष प्रचार का वातावरण सुनिश्चित करने के लिए, कोई भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार, संगठन या व्यक्ति मतदान के दिन और मतदान के एक दिन पहले प्रिंट मीडिया में कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं करेगा, जब तक कि सामग्री राज्य/जिला स्तर पर मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) द्वारा पूर्व-प्रमाणित न हो।

बिहार के लिए प्रतिबंधित दिन 5 व 6 नवंबर, 2025 (चरण-कके लिए) और 10 व 11 नवंबर, 2025 (चरण-कक्क के लिए) हैं। अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रतिबंधित दिन 10 व 11 नवंबर, 2025 हैं।

प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों के लिए पूर्व-प्रमाणन चाहने वाले आवेदकों को विज्ञापन के प्रकाशन की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले एमसीएमसी में आवेदन करना होगा।

समय पर पूर्व-प्रमाणन की सुविधा के लिए, राज्य/जिला स्तर पर एमसीएमसी को सक्रिय किया गया है ताकि ऐसे विज्ञापनों की जांच और पूर्व-प्रमाणन किया जा सके तथा यह सुनिश्चित किया जा सके कि निर्णय शीघ्रता से लिए जाएं।

बनवारी / आशुतोष

पातेपुर में एनडीए के विधानसभा स्तरीय चुनावी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

पातेपुर बाजार स्थित भाजपा कार्यालय में एनडीए के विधानसभा स्तरीय चुनावी कार्यालय का विधिवत उद्घाटन हुआ। उद्घाटन विधायक सह एनडीए समर्थित भाजपा उम्मीदवार लखेंदर पासवान ने फीता काट कर किया। उद्घाटन से पुर्व विधायक सह उम्मीदवार ने एनडीए के सैकड़ों समर्थकों के साथ नग पंचायत कार्यालय स्थित संविधान निमार्ता बाबा डाक्टर भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक सह उम्मीदवार श्री पासवान ने कहा कि एनडीए की केंद एवं राज्य सरकार के द्वारा सभी वर्ग समुदाय के लिए विकास कार्य किए गए हैं उन्होंने ने अपने किए गए कार्य को भी लोगों को गिनाया एवं भारी मतों से जिता कर पुनः सेवा करने का मौका देने की अपील की। कार्यक्रम में भारी संख्या में मुस्लिम पुरुष एवं महिलाएं भाजपा में शामिल हुए। विधायक सह उम्मीदवार ने सभी को पार्टी का पट्टा देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष मुखिया दीलीप कुमार ने की संचालन भाजपा उत्तरी जिलाध्यक्ष अजबलाल साह ने किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, दिनेश साह, बिंदेश्वर राय, जयलाल सहनी, भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रामकुमार कुशवाहा, हम प्रखंड अध्यक्ष रामनाथ पटेल, लोजपा आर प्रखंड अध्यक्ष, शंकर पासवान, लोजपा आर युवा नेता राजेश सिंह, मुखिया मोहम्मद सज्जाद अहमद किदवई, मोहम्मद असगर अली, मुखिया गरीबनाथ आलोक, मोहम्मद अनवार, श्रावण पटेल, रालोसपा प्रखंड अध्यक्ष राजेश कुशवाहा, कुन्दन सिंहा, संतोष कुमार सुमन, राजेन्द्र राम, कैलाश पासवान, पुर्व मुखिया अरुण कुमार साह, आदि के साथ ही भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बारां पुलिस ने पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर शहीदों को याद कर दी श्रद्धांजलि 15 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

पुलिस लाईन बारां में पुलिस शहीद दिवस समारोह मनाया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक बारा अभिषेक अंदासु ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किए और आमजन की सुरक्षा में प्राणों की बाजी लगाने वाले शहीद पुलिस कार्मिकों को नमन किया।

पुलिस लाईन स्थित मैदान पर शहीद दिवस समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ, इसमें डयूटी के दौरान सभी राज्यो में शहीद हुए 186 पुलिस कार्मिकों का नाम लेकर उन्हें श्रद्धाजंली दी गई साथ ही उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बारा ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि वीरों के बलिदान को याद करने व उनसें प्रेरणा ग्रहण करने के उद्देश्य से देश के हर पुलिस संगठन व संस्थान में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। वीरों का बलिदान भारतीय पुलिस के कार्यो की उच्चतम परम्पराओं का प्रतीक है तथा कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत करता है। सभी शहीदों को याद करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजली दी गई है।

इस अवसर पर अधिकारियों व जवानों के साथ सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों / जवानो ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुये पुष्प चक/पुष्प अर्पित किये। पुलिस अधिकारियों ने शहीदों के नाम पर पुलिस लाईन में पौधारोपण भी किया और इनकी उचित देखरेख की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इस दौरान रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें 15 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। तत्पश्चात पुलिस लाईन में जवानों के बैरिक, मैस, प्रशासनिक भवन व लाईन का पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधिकारियों द्वारा भ्रमण किया गया।

अलवर में सूतली बम फटने से सात वर्षीय बालक की आंखों की रोशनी गायब

अलवर: अरावली विहार थाना क्षेत्र के सोनावा डूंगरी सेक्टर-3 में मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें सात वर्षीय बालक देव की दोनों आंखों की रोशनी चली गई। मोहल्ले में खेलते समय देव के हाथ में एक सूतली बम अचानक फट गया, जिससे उसकी आंखों में बारूद भर गया और उसे दिखना बंद हो गया।

परिजनों ने तुरंत देव को अलवर के जिला अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी आंखों की जांच की और दवा डालकर दोनों आंखों में पट्टी बांध दी। देव के पड़ोसी विशाल ने बताया कि देव अपने घर के पास खेल रहा था, तभी उसे एक बड़ा सूतली बम मिला। उसने बम में आग लगाई और उसे उठाकर देखने की कोशिश की, तभी उसमें जोरदार विस्फोट हो गया।

इस हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पटाखे की चिंगारी ने सुलाया मौत के आगोश में परिवार में क्रंदन

राजगढ़ (अलवर)। राजगढ़ थाना क्षेत्र के पाटन स्थित बैरवा बास में मंगलवार की दोपहर पटाखे की चिंगारी लगने से 19 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई।

मृतक के मामा के लड़के राहुल बैरवा ने बताया कि उसकी बुआ का लड़का दीपक बैरवा पुत्र बाबूलाल बैरवा उनके खेत पर कृषि कार्य कर रहा था। तभी अचानक एक पटाखा आकर दीपक को लगा। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। जिसे घायल अवस्था मे राजगढ़ चिकित्सालय लाये। जहां चिकित्सको ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। जिसकी सूचना मिलने पर राजगढ़ पुलिस चिकित्सालय पहुंची। जहां मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। वही मृतक की माँ का चिकित्सालय में रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इस सम्बंध में मृतक की मां उर्मिला देवी ने रिपोर्ट दी है।

श्री राम कथा को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

पातेपुर प्रखंड क्षेत्र के बाद पूर्व गांव में 9 दिवसीय श्री राम कथा का को लेकर भाव कलश यात्रा निकाली गई इस मौके पर आचार्य विजय झा ने पहलेजा से लाए गंगाजल को वैदिक मंगलाचरण के साथ कलश पूजन कराया ।वहीं मुख्य यजमान जितेंद्र झा ने कलश में जल भरकर कुमारी कन्याओं के साथ नगर भ्रमण करने के बाद यज्ञ मंडप पर पहुंचे । मिली जानकारी के अनुसार पातेपुर प्रखंड क्षेत्र के बाजितपुर में मंगलवार को 9 दिवसीय श्री राम कथा को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। 21 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक चलने वाली 9 दिवसीय श्री राम कथा में मुख्य यजमान जितेंद्र कुमार उर्फ छोटू झा ने वैदिक मंगलाचरण के साथ कलश यात्रा निकाली। इस मौके पर आचार्य विजय झा, मनमोहन झा ने मंत्र वैदिक मंत्र के साथ पंचोपचार पूजन कराया ।इसके बाद श्री राम जानकी मठ से कलश यात्रा प्रारंभ होकर यज्ञ मंडप हनुमान मंदिर पहुंचा। इस मौके पर आए समाजसेवी नरेश झा एवं गणेश मिश्रा ने बताया कि मंगलवार से के शाम से 5:00 शिवरात्रि 8:00 बजे तक संगीत मय श्री राम कथा का आयोजन किया जाएगा। वाराणसी से आए श्री राम कथाकार डॉक्टर रामेशाचार्य द्वारा श्री राम कथा का आयोजन की जाएगी। इस भव्य राम कथा के आयोजन में सनातन सनातनी धर्मावलंबी संगीतमय राम रस का पान करेंगे।

तिसिऔता व बलिगांव से मिले 40 लीटर देसी शराब,दो महिला गिरफ्तार

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

पातेपुर । तिसिऔता और बलिगांव की पुलिस ने कई ठिकानों पर छापामारी कर देसी शराब बनाने के उपकरण के अलावा देसी शराब भी बरामद किया।इस मौके पर दो अलग अगल गांव से कारोबारी महिलाएं को पुलिस ने दबोच लिया। मिली खबर के अनुसार तिसिऔता पुलिस ने थाने की मतैयासाह गांव में छापामारी कर 10 लीटर देसी शराब बरामद किया।मौके से इस धंधा में लिप्त बुटाली मांझी की पत्नी पार्वती देवी को गिरफ्तार कर लिया।दूसरी ओर बलिगांव की पुलिस ने थाने की चंदपुरा गांव में छापामारी कर 30 लीटर देसी शराब बरामद किया वहीं शराब बनाने वाले उपकरण में एक गैस सिलेंडर,चूल्हा,स्टील का ड्राम,एल्यूमिनियम का वर्तन को पुलिस वहां से जप्त किया।इस आरोप में लक्ष्मण सहनी की पत्नी सोनम देवी को पुलिस पकड़ लिया।दो गिरफ्तार महिलाएं जेल भेज दी गई।

शॉर्ट सर्किट से पांच घर लाखों के सामान खाक

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

पातेपुर बलिगांव थाना क्षेत्र के बलिगांव में दीपावली के रात(सोमवार) को बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगी की घटना में चार लोगों के घर के लाखों के सामान सहित एक मोटरसाइकिल हुआ खाक। मौके पर पहुंचे ग्रामीण और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। मिली जानकारी अनुसार बलिगांव थाना क्षेत्र के बलिगांव गांव में सोमवार की रात बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगी की घटना में देखते ही देखते लाखों के सामान जलकर खाक हो। इस घटना में रामचंद राम, देवेंद्र राम, हरेंद्र राम लाखेंद्र राम के घर के लाखों सामान जलकर खाक हो गया। मौके पर पहुंचे पहुंचे सी ओ प्रभात कुमार ने आपदा प्रबंधन सहायता राशि पीड़ित परिवार दिया।

डभैच गांव निवासी एक युवक की मौत केरला के एक स्टील प्लांट।

देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार

तिसिऔता थाना क्षेत्र के डभैच गांव निवासी एक युवक की मौत केरला के एक स्टील प्लांट में का करने के दौरान हो गई। मृत युवक का शव का केरला में ही पोस्टमार्टम होने के बाद शव गांव पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया सवजनों का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है।

बताया जाता है कि डभैच गांव निवासी स्वर्गीय जय गीरी का तीस वर्षीय पुत्र विपिन गीरी,केरल के एक स्टील प्लांट में काम करता था। रविवार को काम करने के दौरान केमिकल ड्राम की चपेट में आने से वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल उसे ले जाया गया जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई। युवक के शव का पोस्टमार्टम किए जाने के बाद उसके ठिकादार के द्वारा शव को एम्बुलेंस से गांव भेज दिया गया शव गांव पहुंचते ही गांव में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि युवक दो भाई में बड़ा था वह केरला के एक स्टील प्लांट में काम कर अपनी विधवा मां एवं छोटे भाई का भरण पोषण किया करता था।

कोटपूतली-बहरोड़ के घिलोठ में स्थापित होगा प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट,

जयपुर। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट हेतु 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड) भूमि का आवंटन किया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एक एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा और ई-बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पार्ट्स का भी निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार निरन्तर फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्यमेक इन इण्डियाह्न संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को इलेक्ट्रो मॉबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि ई-बसों के संचालन से राज्य में ग्रीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्चाधिकारियों सहित पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रबंध निदेशक श्री सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक श्री गजेन्द्र यादव, निदेशक श्री दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड श्री हरीश यादव उपस्थित रहे।

सुधाकर सोनी / डॉ. रवीन्द्र सिंह

राजसमंद : श्री द्वारिकाधीश मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई गोवर्धन पूजा

रिपोर्टर: मीठालाल गुर्जर

राजसमंद: राजसमंद जिला मुख्यालय पर स्थित पुष्टिमार्गीय संप्रदाय की तृतीय पीठ श्री द्वारिकाधीश मंदिर में दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा का पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देशभर से आए श्रद्धालुओं ने प्रभु द्वारिकाधीश के दर्शन किए और गोवर्धन पूजा के भव्य आयोजन का आनंद लिया।

प्रभु द्वारिकाधीश मंदिर की गौशाला से गायों को सजाकर मंदिर तक लाया गया। रास्ते में ग्वाल बालों ने गायों को रिझाया और उन्हें खेंखरा खिलाया। मान्यता है कि खेंखरा खिलाने से गायों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इस विशेष अवसर पर प्रभु द्वारिकाधीश अपने निज मंदिर से गोवर्धन चौक पधारे, जहां वे

करीब दो घंटे तक विराजित रहे और भक्तों को दर्शन दिए।

मंदिर के गोस्वामी परिवार के डॉ. वागीश कुमार, गोस्वामी वेदांत कुमार सहित अन्य ने गोवर्धन पर्वत की विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद प्रभु की प्रिय गाय ने गोवर्धन पर्वत का मान मर्दन किया, जिसे देखने के लिए देशभर से श्रद्धालु राजसमंद पहुंचे।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने बृजवासियों से इंद्र की पूजा के बजाय गोवर्धन पर्वत की पूजा करने का आह्वान किया था। इससे क्रुद्ध इंद्र ने सात दिनों तक मूसलाधार बारिश की, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठिका पर गोवर्धन पर्वत उठाकर बृजवासियों की रक्षा की। तभी से गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है।

इस आयोजन ने श्रद्धालुओं में भक्ति और उत्साह का संचार किया, और गोवर्धन पूजा का यह पर्व राजसमंद में आस्था का अनुपम दृश्य बन गया।

अनार हाथ में फटा बालक झुलसा लड्डू गोपाल को भोग लगा रही महिला के दीपक से साड़ी में लगी आग।

अलवर जिले में दीपावल परंपरागत हर्षोल्लास से मनाई गई। वहीं जिले दो दर्दनाक घटनाएं सामने आईं। पहली घटना शहर के लाल दिग्गी रामानंद नगर की है जहां वृद्ध लक्ष्मी कँवर घर में लड्डू गोपाल को भोग लगा रही थीं। इस दौरान नीचे रखे दीपक ने उनकी साड़ी से आग लग गई।

आग लगने के बाद वृद्ध महिला को बचाने पहुंचे पुत्र शैतान सिंह के भी हाथ जल गए। आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया और दोनों को गंभीर हालत में सामान्य चिकित्सालय के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया ।जहां उनका इलाज जारी है।

वहीं दूसरी घटना तिजारा क्षेत्र की है तिजारा निवासी राजेश सैनी का पुत्र तरुण सैनी घर पर अनार बम चला रहा था, तभी अचानक बम उसके हाथ में फट गया। हादसे में बालक का चेहरा और हाथ बुरी तरह झुलस गए। जिसे उपचार के लिए तिजारा अस्पताल ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे गंभीर अवस्था में अलवर रैफर कर दिया गया।

युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, जीआरपी ने शुरू की जांच

राजगढ़ (अलवर): राजगढ़-मालाखेड़ा रेल मार्ग पर ढिगावडा रेलवे स्टेशन के यार्ड के समीप मंगलवार को एक दुखद घटना सामने आई। 25 वर्षीय रेलवे कर्मचारी राहुल मीना ने आश्रम एक्सप्रेस ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। जीआरपी के एएसआई सतेंद्र कुमार ने बताया कि ढिगावडा रेलवे स्टेशन मास्टर से सूचना मिली थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने स्टेशन यार्ड के पास ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली है।

सूचना पर जीआरपी तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर राजगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की शिनाख्त पूनखर, मालाखेड़ा निवासी राहुल मीना, पुत्र कालूराम मीना के रूप में हुई। मृतक के भाई की रिपोर्ट के अनुसार, राहुल रेलवे में ग्रुप डी कर्मचारी था और पिछले तीन वर्षों से लोनावाला (महाराष्ट्र) रेलवे स्टेशन पर कार्यरत था। वह दीपावली के अवकाश पर अपने गांव पूनखर आया हुआ था।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। जीआरपी ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

अलवर में दुकानदार पर फिर हमला, असामाजिक तत्वों की गुंडागर्दी से ग्रामीणों में आक्रोश

अलवर: अलवर जिले के उधोग नगर थाना क्षेत्र के गांव केरवा जाट चरण सिंह चौराहे पर मंगलवार को असामाजिक तत्वों ने एक दुकानदार के साथ मारपीट कर फिर से गुंडागर्दी की घटना को अंजाम दिया। यह वही दुकानदार है, जिसके साथ चार महीने पहले फायरिंग की घटना हुई थी, जिसमें कई लोगों को चोटें आई थीं। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। उधोग नगर थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि चार महीने पहले हुई फायरिंग की घटना के बाद भी पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया। ग्रामीणों का आरोप है कि गुंडागर्दी प्रवृत्ति के लोग क्षेत्र में आतंक मचा रहे हैं और खुलेआम फायरिंग कर लोगों में दहशत फैला रहे हैं। उनका कहना है कि पुलिस प्रशासन के प्रति अपराधियों में कोई डर नहीं है।

पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई का आश्वासन देते हुए सात दिन का समय मांगा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि पुलिस इस अवधि में आरोपियों को गिरफ्तार करने में नाकाम रही, तो आसपास के क्षेत्रों के लोग उधोग नगर थाना पुलिस के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करेंगे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन ग्रामीणों का गुस्सा और असुरक्षा की भावना बरकरार है।

जयपुर में अवैध निर्माण का मामला: सीज बिल्डिंग में तीसरी मंजिल का कार्य शुरू, जेडीए की कार्रवाई को चुनौती

जयपुर: शहर के शास्त्री नगर स्थित खसरा नंबर 252, ग्राम बस्सी सीतारामपुरा में जेडीए द्वारा सीज की गई बिल्डिंग में अवैध रूप से तीसरी मंजिल का निर्माण शुरू होने से सनसनी फैल गई है। स्थानीय निवासी ने शिकायत दर्ज कराई है कि संदेश मोयल, इंद्रनील मुखर्जी, प्रतुलबाका, कचनबाका और सुब्रामोदानी नामक लोग कुछ अन्य सहयोगियों के साथ जेडीए की रोक के बावजूद निर्माण कार्य चला रहे हैं।

शिकायत में दावा किया गया है कि उक्त भूमि वन विभाग के नाम पुराने राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, फिर भी आरोपी इसे अपनी बताकर सरकारी संपत्ति को

नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इतना ही नहीं, जेडीए द्वारा लगाई गई सीज की रस्सी को भी तोड़ा गया, जो गंभीर अपराध माना जा रहा है। शिकायतकर्ता ने बताया कि पहले की शिकायत पर निर्माण रुकवाया गया था, लेकिन अब फिर से गतिविधियां शुरू हो गई हैं।

साथ ही, आरोपियों ने मुख्य सड़क की ओर ग्रीन परदे लगाकर अवैध निर्माण छिपाने की कोशिश की है और अंडरग्राउंड बेसमेंट भी बनाया जा रहा है। शिकायत के साथ संबंधित फोटोग्राफ भी जमा किए गए हैं। जेडीए अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और सख्त कार्रवाई की बात कही है।

कल्याणपुर पुलिस चौकी पर आपसी खींचतान में खाकी वर्दी हो रही बदनाम

मऊआइमा।आरोप है कि जनपद प्रयागराज के गंगानगर स्थित मऊआइमा थाना क्षेत्र की कल्याणपुर पुलिस बूथ तथाकथित पुलिस चौकी जहां एक तरफ पुलिस कर्मियों के लिए आराम गाह साबित होती है क्योंकि यहां तैनाती के बाद ज्यादा भागदौड़ भी नही होती ऊपर से दलाल लोग सेवा को तत्पर रहते हैं। वही यहां पर तैनात सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कि यहां पर तैनात पुलिस कर्मियों में आपसी खींचतान के कारण और एक मामले को तूल देने के कारण दरोगा रविंद्र शर्मा को निलंबित भी कर दिया गया है जिससे योगी सरकार में खाकी बदनाम हो रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोप है कि दरोगा रविंद्र शर्मा जो कि लगभग दो महीने पहले यहां तैनात हुए थे तभी से उनकी अन्य तैनात दरोगा व पुलिस कर्मियों से नहीं बन रही थी क्योंकि आरोप है कि वह क्षेत्र में पुरानी विवेचना की धूल फांक रही और दबाई गई फाइलों की उन्होंने शीघ्रता से विवेचना शुरू कर दिया था जिसमें कई तथा कथित सफेद पोश नेता और ग्राम प्रधान भी शामिल थे जिनकी कलई खुल रही थी और जेल जाने का भय भी व्याप्त हो रहा था और मामले की जांच चार्जशीट होने पर उन्हें जेल की हवा भी खानी पड़ती इस समय इन्हीं मामलों को लेकर पूर्व से जो कि कई पुलिसकर्मी यहां पर 3 साल से जमे हुए हैं तो कई 2 साल से जमे हुए

हैं(मऊआइमा थाना सहित इस बूथ पर) उनकी खींचतान के कारण जो कि वह नहीं चाहते थे कि उन फाइलों की विवेचना या उनको खोला जाए रविंद्र शर्मा द्वारा इन्हीं आपसी खींचतान के कारण सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उस समय एक अहम मोड़ आया जब उमरिया बादल उर्फ. गैंदा में एक किशोरी का अपहरण हुआ उसी क्रम में आरोप है कि अनावश्यक बयान बाजी करवाते हुए यहां तक की मीडिया के समक्ष पीड़िता का नाम एक तथा कथित पत्रकार द्वारा भी उजागर करवा दिया गया और इस मामले में रविंद्र शर्मा को निलंबित कर दिया गया। बता दें कि उक्त पुलिस चौकी में तैनात आपसी खींचतान इस कदर व्याप्त थी कि सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सभी पुलिस कुर्मी कुर्मी जो पहले से भूत पर जमे थे वह सब लोग कुछ सफेद पोश जिनकी जांच चल रही थी उनके कहने पर रविंद्र शर्मा के खिलाफ ही लाम बंद हो गए थे।आरोप है कि उनके द्वारा ही विवेचना की जा रही कुछ ग्राम प्रधानों की जिसमें 5 ग्राम प्रधानों द्वारा भी हस्ताक्षर मुहर करके रविंद्र शर्मा के खिलाफ 9 सितंबर में भी आलाधिकारियों से शिकायत की गई थी लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि योगी सरकार में जब पुलिसकमीयों को आदेश है कि वह गुंडे माफिया और समाज में अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने से ना चूके वहीं पर एक दरोगा को फाइल खोलना और कुछ जनप्रतिनिधियों के मामले की विवेचना करना महंगा पड़ गया और एक घटनाक्रम में उसी के तहत उनका नाम भी दोषी के तौर पर खूब उछाला गया जिससे उनका निलंबन हो भी गया।बहर हाल इस तरह से फरियादियों को कैसे न्याय मिल सकेगा यह घटना बताती है। वहीं क्षेत्रीय लोगों ने दबी जुबान से चर्चा किया है कि यहां बूथ/ चौकी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को जो काफी दिन से जमे हुए हैं उन्हें यहां से हटाकर नए स्टाफ की तैनाती की जाए।आरोप है कि धन उगाही भी आपसी खींचतान का कारण है। बूथ पर लगे सीसीटीवी कैमरा को भी चेक किया जाए तो सामने आएगा कि कुछ एक लोग दिन भर वहां जमे बैठे रहते हैं और दलालों का बोलबाला है।जिससे न्याय मिलना लोगों को दूर की कौड़ी साबित हो रहा है। बहर हाल यह मामला जांच का है और अगर उच्च स्तरीय जांच की जरूरत है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह सब बातें आला अधिकारियों के भी संज्ञान में जा रही हैं जिससे इन सब प्रकरण में शामिल पुलिस कर्मियों सहित सफेद पोशों,कुछ दबंग जन प्रतिनिधियों पर उनकी नजर है और हो सकता है कि आने समय वाले समय में कार्रवाई भी हो।

पुलिस की सेवा और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण : डीजी

डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद में पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोले डीजी व पुलिस अकादमी के निदेशक राजीव सभरवाल

मुरादाबाद। डा भीमराव अम्बेडकर पुलिस अकादमी मुरादाबाद के प्रांगण में स्थित शहीद स्मृति स्तम्भ पर मंगलवार को ह्यपुलिस स्मृति दिवसह्व का आयोजन किया गया, जिसमें शहीद हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धांजलि व पुष्प अर्पित किए गए। पुलिस महानिदेशक व निदेशक डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुलिस अकादमी राजीव सभरवाल ने कहा कि पुलिस की सेवा और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण है। पुलिसकर्मियों का साहस, कर्तव्य के प्रति समर्पण और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणा है। इस अवसर पर मौजूद अन्य पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस पर कर्तव्य पथ पर अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले सभी अमर शहीद पुलिसकर्मियों को विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं।

अपर पुलिस महानिदेशक पीटीसी मुरादाबाद, पुलिस उपमहानिरीक्षक अकादमी, पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र मुरादाबाद मुनिराज जी, पुलिस उपमहानिरीक्षक पीएसी शालिनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल आदि अन्य अफसरों व कर्मचारियों द्वारा विगत वर्ष में ड्यूटी के दौरान अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए शहीद हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धांजलि व पुष्प अर्पित किये गये।

दरोगा की पिस्तौल छीनकर भाग रहा हत्यारोपित मुठभेड़ में घायल

गौतमबुद्ध नगर। थाना दादरी क्षेत्र के ग्राम नगला नैनसुख में रहने वाले एक व्यक्ति की दीपावली की रात को शराब पीते समय हुए विवाद में उसके दोस्त ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार की सुबह उसे गिरफ्तार किया। पुलिस उसके पास से हत्या में प्रयुक्त अवैध हथियार बरामद करने जा रही थी, तभी वह दरोगा की पिस्तौल छीन कर, पुलिस पर गोली चलाते हुए भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है।

अपर पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय सुधीर कुमार ने बताया कि थाना दादरी क्षेत्र के ग्राम नगला नैनसुख में रहने वाले सचिन पुत्र कर्मवीर तथा उसका दोस्त राजेश एक साथ बैठकर दीपावली की रात को शराब पी रहे थे। रात 8 बजे के करीब दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। सचिन ने आक्रोश में आकर राजेश को गोली मार दी। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही थी। आज तड़के पुलिस ने आरोपित सचिन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि वह हत्या में प्रयुक्त हथियार को छुपा कर रखा है। उन्होंने बताया कि पुलिस हत्या में प्रयुक्त हथियार को बरामद करने जा रही थी तभी आरोपित एक उपनिरीक्षक की पिस्तौल छीन कर भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया तो उसने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अपर उपायुक्त ने बताया कि इसके पास से दरोगा की लूटी हुई पिस्तौल बरामद हुई है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि इसके खिलाफ पूर्व में तीन मुकदमे दर्ज हैं।

वाराणसी में जुआ से आरंभ हुए विवाद के बाद पुलिस टीम पर पथराव

वाराणसी। वाराणसी में मिजार्मुराद थाना क्षेत्र में दीपावाली की देर रात बिहड़ा गांव में जुआ खेलते हुए नीरज और धर्मेंद्र के गुट आपस में भीड़ गए। दोनों की आपसी लड़ाई बढ़ने पर थाने से उप निरीक्षक कौशल किशोर और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखकर नीरज और धर्मेंद्र सहित अन्य जुआरियों ने पथराव आरंभ कर दिया। इसी दौरान उप निरीक्षक कौशल किशोर की मोटरसाइकिल को भी फूंक दिया गया।

एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव को घटना की सूचना हुई तो मौके पर दो थाने कपसेठी एवं मिजार्मुराद की पुलिस टीम पुनः भेजी। कुछ ही देर में एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे और मौके से चार जुआरियों को गिरफ्तार किया गया। एसीपी राजातालाब अजय ने पत्रकारों को बताया कि बिहड़ा गांव में उपद्रव मामले में मिजार्मुराद थाने में प्रभारी निरीक्षक प्रमोद की तहरीर पर 15 नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा लिखा गया है। चार लोगों की गिरफ्तारी हुई है और अन्य उपद्रवियों की तलाश जारी है। शांति स्थापित करने के लिए गांव क्षेत्र में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है।

रास्ते के विवाद में एक ही परिवार के 10 लोगों पर हमला, घायल

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के फफूंद थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव में मंगलवार की सुबह रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष के करीब दो दर्जन लोगों ने लाठी-डंडों से दूसरे पक्ष पर हमला बोल दिया। इस हमले में एक ही परिवार के 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फफूंद पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल पिंकी देवी, लालता देवी, दिलीप, लकी, शिवानी, अनिरुद्ध, पिंटू, हनी और श्री देवी को जिला अस्पताल औरैया रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि रास्ते के विवाद को लेकर दोनों पक्षों के बीच पिछले कई दिनों से तनाव चल रहा था। मंगलवार को यह विवाद अचानक हिंसक रूप ले बैठा।

डीआईजी के आदेश पर दर्ज हुई मारपीट व लूट की रिपोर्ट

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद महानगर के थाना मझोला क्षेत्र निवासी मजदूर ने पुलिस उप महानिरीक्षक मुनिराज जी को दिए शिकायती पत्र देकर बताया था कि तीन सप्ताह पूर्व थाना क्षेत्र में रेलवे लाइन किनारे कुछ दबंगों ने उसे मरपीट कर उसकी बाइक और 32 हजार रुपये लूट लिए थे। पीड़ित ने थाना मझोला में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की और उसको थाने से भगा दिया था। मामले में डीआईजी ने थाना मझोला पुलिस को नामजद आरोपितों के विरूद्ध कार्रवाई के आदेश दिए थे। पुलिस अधीक्षक नगर ने डीआईजी मुनिराज जी के आदेश पर आज तीन नामजद आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

थाना मझोला की बस्ती निवासी मजदूर कमल किशोर ने बीते दिनों डीआईजी को शिकायती पत्र देकर बताया कि बीते दो अक्टूबर दोपहर करीब 3:30 बजे वह सिविल लाइंस के फकीरपुरा में अपने मामा के घर जा रहा था। आरोप लगाया कि रास्ते में रेलवे लाइन के किनारे मझोला के चिड़िया टोला निवासी आशीष मिश्रा, कोतवाली क्षेत्र के पारकर कॉलेज के पास रहने वाला अनिकेत सुधीर समेत तीन-चार लड़के खड़े थे। सभी शराब के नशे में थे। कमल किशोर के अनुसार आरोपितों ने उसकी बाइक रोक ली और अनायास ही गाली गलौज करने लगे। गाली देने का विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडा और बेल्टों से कमल किशोर को पीटना शुरू कर दिया। मारपीट करके तीनों ने उसकी जेब से 32 हजार 800 रुपये लूट लिए। बाइक भी छीन ली। आरोपी उसे बुरी तरह मारपीटकर जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। इसकी शिकायत मझोला थाने में अगले ही दिन की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कई बार मंडी समिति चौकी और मझोला थाने का चक्कर लगाने के बाद पुलिस ने उसका मेडिकल तक नहीं कराया। जबकि उसके हाथ और कोहनी में फैक्चर है। थाना पुलिस ने पहले थाने से भगा दिया फिर कई बार चक्कर लगाने के बाद चौकी पुलिस ने आरोपितों में से कुछ को थाने पर बुलाया, लेकिन बाद में उन्हें बिना कार्रवाई के छोड़ दिया था। जिसके बाद पीड़ित ने परेशान होकर डीआईजी के समक्ष पेश होकर शिकायत की। जहां से डीआईजी ने एफआईआर के आदेश दिए। मामले में पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मझोला थाने में तीन नामजद आरोपितों के खिलाफ मारपीट और लूट का केस दर्ज किया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएगा उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पटाखों की गड़गड़ाहट के बीच युवक की गोली मारकर हत्या

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश में जनपद कानपुर देहात के गजनेर थानाक्षेत्र में मंगलवार सुबह पटाखे की आवाजों के बीच गोलियों की तड़तड़ाहट के बीच 25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गजनेर थाना क्षेत्र के शेरपुर तरौंदा गांव में रहने वाले गौरव अवस्थी (25) देर रात दीपावली का पूजन करने के बाद घर से निकल गए । दीपावली पर्व के होने के चलते देर रात निकलने पर घरवालों ने कोई आपत्ति नही जताई। जब गौरव आधी रात पर भी घर वापस नही आये तो उसको ढूंढने की शुरूआत की गई। मंगलवार सुबह 6 बजे के आस पास ग्रामीणों को गांव के बाहर सड़क पर गौरव का शव खून से लथपथ मिला। ग्रमीणों ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। धीरे-धीरे घटना स्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से दो खाली कारतूस बरामद किए हैं। घटना को अंजाम देकर अज्ञात हत्यारोपी फरार हो गए।

क्षेत्राधिकारी अकबरपुर संजय वर्मा ने बताया कि घटना के अनावरण के लिए तीन टीमों को लगाया गया है। मौके पर स्थिति सामान्य है। किसी भी प्रकार का कोई माहौल नही बिगड़ा है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

अपने कर्तव्य पथ पर प्राणों की आहुति देने वाले हमारे शहीद पुलिसकर्मी सदा अमर रहेंगे : पुलिस कमिश्नर

वाराणसी में पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिस कर्मियों को नमन किया गया

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पुलिस स्मृति दिवस पर मंगलवार को कर्तव्य की बेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर वीर शहीदों के शहादत को नमन कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रिजर्व पुलिस लाइन, कमिश्नरेट वाराणसी में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने अमर वीर शहीदों को नमन कर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।\

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ह्यपुलिस बल की गौरवशाली परंपरा त्याग, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा से ओत-प्रोत रही है। जनसेवा के उच्च आदर्शों को आत्मसात करते हुए अपने कर्तव्य पथ पर प्राणों की आहुति देने वाले हमारे शहीद पुलिसकर्मी सदा अमर रहेंगे। उनका अदम्य साहस और देशभक्ति हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। समारोह में अन्य वक्ताओं ने कहा कि पुलिस का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा है। नागरिकों की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अनेक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी प्रति वर्ष अपने प्राणों की आहुति देते हैं।

उनका यह बलिदान राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रतीक है। श्रद्धांजलि समारोह में शहीद स्मारक पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा 'दयालु', राज्यमंत्री रविन्द्र जायसवाल, महापौर अशोक कुमार तिवारी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाराणसी संजीव शुक्ला, अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन पीयूष मोर्डिया, अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय शिवहरी मीणा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, न्यायिक अधिकारी तथा पुलिसकर्मियों ने पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किया। उल्लेखनीय है कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में भारत-तिब्बत सीमा पर गश्त कर रही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की टुकड़ी पर चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर हमला किया गया था। इस अप्रत्याशित हमले में 10 वीर जवानों ने वीरगति प्राप्त की जबकि 7 अन्य जवान घायल हुए। मातृभूमि की रक्षा में दिए गए इन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में प्रति वर्ष 21 अक्टूबर को पूरे देश में ह्यपुलिस स्मृति दिवसह्व के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस समर्पित है, उन सभी पुलिसकर्मियों को जिन्होंने जनसुरक्षा, राष्ट्रसेवा और कर्तव्यनिष्ठा की भावना से ओत-प्रोत होकर अपने प्राण न्यौछावर किए। समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 02 मिनट का मौन रखकर शहीद पुलिसकर्मियों की स्मृति को नमन किया। उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

कार्यक्रम में यह संकल्प दोहराया गया

युवक का शव खेत में मिला, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जनपद के गांव में धान के खेत में एक 17 वर्षीय युवक का शव मिलने पर सनसनी फैल गई। युवक के परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। मृतक के चेहरे और गले पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जनपद एटा के थाना क्षेत्र अवागढ़ अंतर्गत गांव जिनावली में मंगलवार को सुबह करीब 10 बजे 17 वर्षीय युवक का शव गांव में ही धान के सूखे खेत में पड़ा मिला, मृतक के चेहरे और गले पर चोट के निशान है। घटनास्थल और शव के गले में पड़ी रस्सी से अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक की हत्या करने के बाद घसीट कर धान के खेत में शव को फेंक दिया गया है। मृतक की पहचान पिंटू(17) पुत्र देशराज निवासी ग्राम जिनावली थाना अवागढ़(एटा) के रूप में हुई है। मृतक के पिता देशराज ने बताया कि उनका बेटा पिंटू सुबह 4:00 बजे शौच के लिए खेतों में गया था । उसके बाद उसका शव मिला है। ग्रामीणों ने 112 पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर एडिशनल एसपी राजकुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी जलेसर ज्ञानेंद्र सिंह,एस एच ओ अवागढ़ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फील्ड यूनिट व डॉग स्क्वायड ने भी मौके पर पहुंचकर घटना के संबंध में साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

क्षेत्राधिकारी जलेसर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक पिंटू आज सुबह करीब 4 बजे घर से शौंच के लिए गया था। घर से करीब 200 मीटर दूर वीरेश के धान के सूखे खेत में मृतक का शव मिला है। जाहिरा तौर पर मृतक के चेहरे और गले पर चोट के निशान दिखाई दिए हैं। परिजनों द्वारा हत्या की आशंका व्यक्त की जा रही है। मृत्यु का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही सुस्पष्ट हो सकेगा ।

पटाखे व आतिशबाजी की चिंगारी से खाली प्लॉट में पड़ी लकड़ियों में उठीं आग की लपटें

मुरादाबाद। मुरादाबाद महानगर के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के रामगंगा विहार स्थित मुरादाबाद इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी कॉलेज के पास दीपावली पर सोमवार रात्रि 2 बजे खाली पड़े प्लॉट में पड़ी लकड़ियों में आग की लपेट उठने लगी, जिससे आसपास के लोग घबरा गए और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने लड़कियों में लगी आग को बुझाया और एक बड़ा हादसा टल गया।\

थाना सिविल लाइन इंस्पेक्टर मनीष सक्सेना ने कहा कि दीपावली की रात्रि किसी पटाखे की चिंगारी प्लॉट में पड़ी लड़कियों पर गिरी होगी जिससे आग लग गई। प्लाट स्वामी का पता किया जा रहा है कि यह किसका प्लॉट है।

आजमगढ़ में दिवाली की रात युवक की गोली मारकर हत्या

आजमगढ़।

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में दीपावली की रात जिले के जहानागंज थाना क्षेत्र के कोढ़वा गांव में भंडारे के दौरान दो पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी बीच चली गोली से एक युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मिली जानकारी के अनुसार, कोढ़वा गांव में सोमवार रात करीब 10:30 बजे भंडारे का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान गांव के ही दो पक्षो के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि किसी ने असलहे से गोली चला दी। गोली लगने से 18 वर्षीय विवेक यादव पुत्र भुगुनाथ यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। भंडारे में अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक को परिजन आनन-फानन में शहर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया

घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी डॉ. अनिल कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वही मृतक के भाई अभिषेक यादव ने थाने में आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है।

एसएसपी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि मामला दो पट्टीदारों के बीच विवाद से जुड़ा है। विवाद के दौरान एक पक्ष द्वारा गोली चलाई गई, जिससे युवक की मौत हो गई। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं, जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

ज्योति पर्व दीपावली बीतते ही डाला छठ की तैयारी, बरेका सूर्य सरोवर व्रतियों के लिए तैयार

भीड़ नियंत्रित करने के लिए समिति ने जारी किया पास,पांच हजार पास बांटे जाएंगे

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्योति पर्व दीपावली के बीतते ही लोक उपासना के महापर्व चार दिवसीय डाला छठ की तैयारी शुरू हो गई है। 25 अक्टूबर से नहाय खाय के साथ शुरू हो रहे डाला छठ व्रत को देखते हुए बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) का सूर्य समिति महापर्व पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पांच हजार पास जारी करेंगी। एक पास पर पांच लोगों के प्रवेश की अनुमति होगी। सोमवार तक समिति ने 700 पास का वितरण कर दिया है। समिति के अध्यक्ष चंद्रेश्वर ओझा ने मंगलवार को बताया कि बरेका स्थित सूर्य सरोवर पर छठ पूजा के छठ पूजा के दौरान सूर्य सरोवर पर हर वर्ष काफी भीड़ होती है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पास का प्रबंध किया गया है। समिति ने आयोजन स्थल पर व्यापक साफ-सफाई की व्यवस्था की है। घाटों और सीढ़ियों की सफाई के साथ ही रंग-रोगन का तरह से पानी भरा जाएगा। सरोवर के चारों तरफ व्रती महिलाओं के लिए 22 चेंजिंग रूम भी बनाए गए हैं। सरोवर में प्रवेश के लिए तीन द्वार बनाये गए हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 07 नवंबर को सरोवर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया है। जिसमें भक्तिमय माहौल के बीच भजनों का आनंद बार हनुमान चालीसा का पाठ होगा। अगले दिन 8 नवंबर को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा।

– वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था तीन स्थानों पर

समिति के महामंत्री अजय कुमार ने बताया कि छठ पूजा में शामिल होने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं तीन स्थानों पर की जाएगी। श्रद्धालु अपने वाहनों को बरेका इंटर कॉलेज मैदान, बरेका पुलिस चौकी के सामने वाली कॉलोनी और बाल निकेतन स्कूल के पास पार्क कर सकेंगे। पार्किंग की इस व्यवस्था से यहां तक पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रातभर जगह-जगह निःशुल्क चाय के स्टाल भी लगाए जाएंगे। छठ पूजा 25 अक्टूबर 2025 को नहाय-खाय के साथ शुरू होगी। दूसरा दिन 26 अक्टूबर को खरना होगा। तीसरे दिन 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। अंतिम दिन 28 अक्टूबर को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देकर

मौसम बदलते ही क्या चेंज कर देना चाहिए परफ्यूम जानें

परफ्यूम लगाना बहुत से लोगों को काफी पसंद होता है. ये एक पॉजिटिविटी लाता है और कॉन्फिडेंस को बढ़ाता है. लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि मौसम के साथ ही परफ्यूम भी बदलना चाहिए. चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं इसके पीछे का कारण.

मौसम बदलने के साथ हम अपनी लाइफस्टाइल में कई चेंजिस लाते हैं. कपड़े पहनने के तरीके से लेकर खान-पान और स्किनकेयर रूटीन भी सब कुछ बदल जाता है. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि परफ्यूम को भी मौसम के हिसाब से बदलना होता है? वैसे तो आमतौर पर लोग परफ्यूम को सिर्फ खुशबू के लिए इस्तेमाल करते हैं. लेकिन जैसे मौसम बदलता है हमारी स्किन के टेक्सचर, केमिस्ट्री, नेचर आ पसीना आना का तरीका भी बदल जाता है. इसका सीधा असर फ्रेगरेंस के स्टे पर पड़ता है.

गर्मी के मौसम में जहां लाइट, फ्रेश और साइट्रस बेस्ड खुशबू ज्यादा पसंद की जाती है. वहीं, ठंड के मौसम में वुडी या मस्की फ्रेगरेंस ज्यादा अच्छा स्टे देती है. यही वजह है कि परफ्युम के कई बड़े ब्रांड अपने कलेक्शन में सीजनल फ्रेगरेंस भी एड कर रहे हैं. तो चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं कि मौसम के हिसाब से परफ्युम क्यों चेंज करना चाहिए और रिसर्च इस पर क्या कहती है.मौसम के अनुसार परफ्यूम बदलना क्यों जरूरी है?

किसी भी परफ्युम के असर में टेमप्रेटर इंपोर्टेंट रोल प्ले करता है. हीट उसकी तीव्रता को बढ़ाती है, जिससे उसकी खुशबू और भी तेज लगती है. जबकि ठंडी हवा इसकी महद को दबा देती है. इसलिए ठंडे मौसम में गहरे और रिच नोट्स वाले परफ्युम ज्यादा असरदार होता हैं. अगर आप हर मौसम में एक ही परफ्युम यूज करेंगे तो नोज ब्लाइंडनेस यानी खुशबू की आदत पड़ने का खतरा रहता है. क्योंकि परफ्युम की खुशबू मूड, स्टाइल और पर्सनालिटी पर खास प्रभाव डालती है. ऐसे में अलग-अलग मौसम में अलग-अलग फ्रेगरेंस ट्राई करनी चाहिए.

परफ्यूम बदलने के पीछे क्या है कारण?

मौसम बदलने के साथ परफ्युम चेंज करने की वजह है शरीर का तापमान. क्योंकि गर्मी में शरीर गर्म रहता है और ऐसे में खुशबू भी तेजी से फैलती है. यही कारण है कि परफ्युम को पल्स प्वाइंट्स जैसे कलाई और गर्दन पर लगाता जाता है. लेकिन सर्दियों में शरीर का तापमान ठंडा रहता है इसलिए परफ्युम की खुशबू हल्की लगती है. यही वजह है कि गर्मियों में हल्की और फ्रेश फ्रेंगरेस और सर्दियों में गहरी वुडी या मस्की फ्रेगरेंस सही मानी जाती है.

किस मौसम के लिए कौन सा परफ्युम है सही?

गर्मी के मौसम के लिए हमेशा लाइट, फ्रेश और परफ्युम चुनने चाहिए. ये गर्मी में फ्रेश फील करवाते हैं और खुशबू में एक ताजगी मिलती है. वहीं, सर्दियों के मौसम में वुडी और स्ट्रॉन्ग परफ्युम ज्यादा देर तक टिके रहते हैं. इसके लिए ओरिएंटल, गोरमैंड, वेनिला, एम्बर और ऊद अच्छे ऑप्शन है.

ओडिशा के हथकरघे व बुनकरों की आजीविका

हाल ही में मैंने ओडिशा में कुछ बुनकर समुदाय के लोगों से मुलाकात की

गांवों में कृषि के साथ कई तरह के छोटे-छोटे रोजगार हुआ करते थे। लकड़ी और लोहे के खेती के औजार बनाना, लकड़ी के घर बनाना, खपरैल व मिट्टी के घर बनाना, मिट्टी व बांस के बर्तन बनाना, तेल व गुड़ बनाने का काम इत्यादि। इन सभी कामों को करने वाले कारीगर काफी हुनरमंद थे और कुछ अब भी हैं। इसमें बहुत से लोगों की आजीविका जुड़ी रहती थी।

हाल ही में मैंने ओडिशा में कुछ बुनकर समुदाय के लोगों से मुलाकात की। उनके काम को देखा, उनकी समस्याएं सुनीं, और उनके काम की चुनौतियों के बारे में जानने की कोशिश की। आज इस साप्ताहिक कॉलम में इस पर ही चर्चा करना चाहूंगा।हमारे गांवों में कृषि के साथ कई तरह के छोटे-छोटे रोजगार हुआ करते थे। लकड़ी और लोहे के खेती के औजार बनाना, लकड़ी के घर बनाना, खपरैल व मिट्टी के घर बनाना, मिट्टी व बांस के बर्तन बनाना, तेल व गुड़ बनाने का काम इत्यादि। इन सभी कामों को करने वाले कारीगर काफी हुनरमंद थे और कुछ अब भी हैं। इसमें बहुत से लोगों की आजीविका जुड़ी रहती थी।

कुछ समय पहले तक देश में हथकरघे का काम खेती-किसानी के बाद रोजगार का सबसे महत्वपूर्ण हुआ करता था पर कई कारणों से इसमें कमी आई है। लेकिन इसके बावजूद भी यह ऐसा महत्वपूर्ण हुनर व कौशल है, जिसकी बाजार में काफी मांग है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण संबलपुरी साड़ियां हैं, जिनकी बाजार में मांग है। जो लोग हाथ के काम, सफाई, डिजाइन का महत्व समझते हैं, वे हथकरघे से बने कपड़े ही पसंद करते हैं। इसका अनुभव मुझे ओडिशा के बुनकरों से बात करते हुए हुआ।

मैंने यहां बरगढ़ के पास दो गांवों के बुनकरों से बात की। उनके घर गया, और उनकी दुख-सुख की कहानियां सुनीं। उन्होंने बताया कि कुछ साल पहले तक संबलपुरी साड़ियों का बाजार काफी सिमटा हुआ था और यह ओडिशा व छत्तीसगढ़ तक ही सीमित था। लेकिन अब पूरे देश में इसकी मांग है, और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ही इसे पसंद किया जाता है।

कांटापाली गांव, बरगढ़ शहर से 7-8 किलोमीटर दूर है। यहां बुनकरी के अलावा कांसे व पीतल का काम भी होता है। लेकिन यहां मैं संबलपुरी साड़ियां बनाने वाले बुनकरों की बात ही करना चाहूंगा। यहां मैं एक युवा बुनकर घनश्याम मिहिर से मिला। वे हथकरघे पर साड़ी बना रहे थे। उन्होंने बताया कि वे यह काम 10 साल से कर रहे हैं, और उन्होंने यह उनके पिता से सीखा है। इस काम को परिवार के लोग मिलकर करते हैं। उनके परिवार में 5 सदस्य हैं।

इस गांव में करीब 40 से ज्यादा परिवार है। सभी लोग बुनकरी से जुड़े हुए हैं।

इसी प्रकार, यहां के मोहन मिहिर का पूरा परिवार इस काम में लगा है। उनके एक बेटे अनंत ने सीमेंट फैक्ट्री में कुछ समय काम किया था, लेकिन उसे वह काम रास नहीं आया। लेकिन जब उन्होंने संबलपुरी साड़ियां बनाने का काम संभाला तो उन्हें यह बहुत अच्छा लगा। उनका छोटा भाई भी इसी काम में जुड़ गया। अब परिवार के सभी 5 सदस्य इस काम में लगे हैं।इसी प्रकार, मैंने सरकंडा गांव का दौरा किया। यहां के बुनकरों से मिला। यहां दो तरह से काम होता है। एक वे बुनकर हैं, जो सूत खरीदकर खुद साड़ियां बनाते हैं और दूसरे बुनकर वे हैं, जो मजदूरी से साड़ियां बनाते हैं, उन्हें सूत देकर कोई व्यापारी साड़ियां बनवाते हैं। यहां भी बड़ी संख्या में बुनकर हैं और आत्मनिर्भर हैं। यहां से सामाजिक कार्यकर्ता सुरेन्द्र मिहिर बताते हैं

कि कुछ समय पहले तक बुनकरों की स्थिति उतनी अच्छी नहीं थी, क्योंकि इनका बाजार सीमित था। अब बाजार काफी फैल गया है। संबलपुरी साड़ियों की मांग देश भर में हो गई है, इसलिए बुनकरों की आजीविका भी अच्छी खासी चल रही है।यहां संबलपुरी साड़ियां बंध तकनीक से बनाई जाती हैं। कारीगर धागों को विशेष पैटर्न में बांधते हैं। यह बांधा, रंग के उस हिस्से में बांध दिया जाता है, जिस पर रंग नहीं लगाना है। उसे बाद में दूसरे रंग से रंगा जाता है। यह जटिल प्रक्रिया है, और यह विशेष सावधानी व हुनर की जरूरत होती है। इस तरह रंगीन साड़ियां बनाई जाती है। रेशम व सूती दोनों तरह की साड़ियां बनाई जाती हैं।ओडिशा में कई ऐसे गांव हैं, जिसमें हथकरघे पर बुनकरी का काम होता है। सामाजिक कार्यकर्ता व किसान नेता लिंगराज का कहना है कि हमें खेती के साथ इन पारंपरिक हस्तकला को भी बचाना जरूरी है। यह न केवल हमारी पारंपरिक धरोहर है,बल्कि इससे बड़ी आबादी की आजीविका भी जुड़ी हुई है। आज खेती भी संकट में है, इसीलिए इस ओर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।हम सब जानते हैं कि हथकरघा को गांधी जी ने स्वतंत्रता की लड़ाई से जोड़ा था। आत्मनिर्भर व स्वावलंबी से जोड़ा था।

गांधी जी ने चरखा को काफी महत्व दिया था। इस परिप्रेक्ष्य में गांधी जी सोच बारे में प्रासंगिक है। वे गांवों को स्वावलंबी बनाना चाहते थे। लेकिन अंग्रेजी राज के दिनों में भी हथकरघा बुनकरों के कार्य को बहुत क्षति पहुंचाई गई क्योंकि विदेशी सरकार ने अपने कारखानों में बने सामानों की बिक्री करवाने की और स्थानीय दस्तकारों व बुनकरों की तबाही की नीतियां अपनाई।इसके पहले भारतीय कारीगरों और दस्तकारों की दुनिया में ख्याति थी। आजादी के बाद भी स्वतंत्र भारत में इनकी अनदेखी की गई। जबकि देश में बुनकरी व दस्तकारी में बहुत बड़ा रोजगार था। गांधीजी कहते थे कि नई तकनीक व उत्पाद का प्रसार केवल मुनाफे के आधार पर उचित नहीं ठहराया जा सकता है। गांधीजी ने सबसे बड़ी कसौटी बताई, वह थी रोजगार की कसौटी। यह सोच आज भी प्रासंगिक हैं।ग्लोबल वार्मिंग और मौसम बदलाव के इस दौर में एक और बात महत्वपूर्ण है कि किसी भी नए उत्पाद व तकनीक का स्वास्थ्य और पर्यावरण पर क्या असर पड़ रहा है। कारखानों में काम करने वाले मजदूरों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी आम बात है। मशीनों के उपयोग से पर्यावरण पर भी उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।इस मद्देनजर हमें अपने हस्तकार, हस्तशिल्प और बुनकरों को बचाना और उनके काम को बचाना जरूरी है।

देश में हाथ का कार्य, हुनर बचा रहे तभी गरीबी और बेरोजगारी दूर होगी। गांव में लोगों को रोजगार उपलब्ध हो, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी की व्यवस्था हो और लोगों को पलायन न करना पड़े। अगर इस दिशा में आगे बढ़ा जाए तो न केवल रोजगार बचेगा बल्कि गांव भी उजड़ने से बचेंगे और देश भी बचेगा।हमें आज ऐसी सोच की जरूरत है जिसमें गरीब, पिछड़े व सबसे कमजोर तबके के लोगों की स्थिति में सुधार हो। खेती-किसानी का संकट दूर हो और परंपरागत रोजगारों को फिर से खड़ा किया जा सके। लेकिन क्या इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

संपादकीय

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं।वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए। यह साल भर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बननी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारकों पर नियंत्रण किया जाए। हम अक्सर पटाखे व पराली जलाने पर जिम्मेदारी डालकर अन्य प्रदूषण के कारकों को नज़रअंदाज कर देते हैं।

गज़ा में शांति की एक और योजना की सफलता संदिग्ध

शांति बेहद नाजुक है, ट्रम्प इम्प्रिमेटर के तहत चतुराई से तैयार की गई योजना को अरब देशों द्वारा आसानी से समर्थन दिया गया जिसके पीछे उनकी अपनी कोई योजना नज़र आती है। पिछले दो वर्षों में फिलिस्तिनियों पर किए गए अत्याचारों के बाद भी फिलिस्तीनी प्रतिरोध के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है।युद्ध के दो साल गुजरने के साथ आधुनिक युग के रक्तरंजित इतिहास में उत्तरी सीमा के दोनों किनारों पर जश्न मनाया गया क्योंकि अमेरिकी नेतृत्व वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था द्वारा फिलिस्तीन पर ऐतिहासिक गज़ा शांति योजना थोपी गई थी। इस योजना के पिछली योजना की तरह मिट्टी में मिलने की संभावना है। इसमें जनवरी समझौता भी शामिल है जिसका इज़रायल ने केवल दो महीने बाद उल्लंघन किया था। सत्ता में बने रहने के लिए इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समझौते को (जिसके केवल पहले चरण के लिए अंतिम रूप दिया गया) नष्ट करने की कोशिश करेंगे क्योंकि इज़रायली सुप्रीम कोर्ट उन्हें पद से हटाने के लिए इंतजार कर रहा है। वास्तव में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले चरण की योजना पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि, वे इस बात की गारंटी नहीं दे सकते कि इज़रायल हमास पर फिर से हमला नहीं करेगा। इज़रायल के रक्षा मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने इज़रायल डिफेन्स फोर्स (आईडीएफ) को शांति योजना का मामला हल होने के बाद हमास के आतंकवादियों का शिकार करने का आदेश दिया है।शांति योजना का पहला चरण पूरा हो चुका है तथा हमास की कैद से जीवित 20 बंधकों को रिहा कर दिया गया है जबकि इज़रायल ने लगभग दो हज़ार फिलिस्तीनी आतंकवादियों और नागरिकों को मुक्त करने के अपने समझौते को पूरा किया है। 13 अक्टूबर को मिस्र एवं अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से मिस्र के रिसॉर्ट शहर शर्म अल-शेख में आयोजित समारोह में पश्चिमी दुनिया के साथ-साथ इस क्षेत्र के लगभग बीस विश्व नेता अमेरिकी राष्ट्रपति की सराहना करने के लिए एकत्र हुए। इस वर्ष का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेज़ुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया जिन्होंने शांति के लिए अथक प्रयासों के लिए ट्रम्प को यह पुरस्कार समर्पित किया। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए मचाडो के नाम पर उंगलिया उठ रही हैं क्योंकि मचाडो ने न केवल गज़ा में नेतन्याहू के नरसंहार कार्यों का समर्थन किया बल्कि वेनेज़ुएला में लोकतंत्र वापस लाने की आड़ में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से लड़ने के लिए समर्थन भी मांगा है।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि गज़ा पर प्रशासन करने के लिए अधिकृत संयुक्त राष्ट्र और कथित तौर पर वेस्ट बैंक पर शासन कर रहे फिलिस्तीन प्राधिकरण से शांति योजना पर किसी भी तरह से परामर्श नहीं किया गया। उदाहरण के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष नवी पिल्ले ने दावा किया कि फिलिस्तीन इस योजना का एक पक्ष नहीं था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग वह निकाय है जिसने इज़रायल को नरसंहार के लिए जिम्मेदार पाया था। बाद में दक्षिण अफ्रीका इस मामले को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में ले गया था।हमास के निरस्त्रीकरण और गज़ा के भविष्य के शासन से निपटने वाली योजना का दूसरा चरण अधर में लटका हुआ है क्योंकि हमास योजना के बाद के चरणों के लिए सहमत नहीं हुआ है। हमास का यह कदम नेतन्याहू के नेतृत्व वाली धुर दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के लिए उपयुक्त है क्योंकि वह आगामी सभी समस्याओं के लिए हमास की हठधर्मिता की ओर अंगुली दिखाएगा। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि गुरिल्लाओं ने सभी बाधाओं का सामना किया है और अरब ब्लॉक के भीतर अपनी छवि के अलावा बड़े पैमाने पर लोगों व हथियारों को खो दिया है। जिन लोगों के पास रहने के लिए जगह नहीं है, जिनके पास रहने के लिए घर नहीं थे, जहां 67 हज़ार से अधिक निर्दोष लोगों की जान चली गई, महिलाओं और बच्चों की हत्याएं कर दी गईं, कई अपंग हो गए, बलात्कार किया गया और उन्हें भूखा मार डाला गया। अस्पतालों, स्कूलों, सामुदायिक केंद्रों पर बमबारी की गई, भोजन व चिकित्सा आपूर्ति को हथियारों से उड़ा दिया गया, आखिरकार उनके पास क्या विकल्प हो सकते थे?

उपनिवेशवाद से मुक्ति के प्रणेता द रेच ऑफ द अर्थ के लेखक फ्रांज़ फ़ैनन कहते हैं- उपनिवेशवाद से मुक्ति वास्तव में नवनिर्माण है लेकिन इस रचना की वैधता का श्रेय किसी भी अलौकिक शक्ति को नहीं है; जिस चीज को उपनिवेश बनाया गया है, वह उसी प्रक्रिया के दौरान मजबूत हो जाता है जिसके द्वारा वह खुद को मुक्त करता है।% हमास ने फिलिस्तीनी लोगों के अपने लिए, अपने आत्मनिर्णय और संप्रभुता के लिए बोलने के अधिकार का आत्मसमर्पण करना उचित नहीं समझा है। गज़ा पर शासन करने की हमास की वैधता 2006 के चुनावों में मिले जनादेश से प्राप्त होती है इसलिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अब फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देने की मांग करने वाली पश्चिमी शक्तियां इसे एक आतंकवादी समूह के रूप में मानती हैं या नहीं।पीएम मोदी ने 9 अक्टूबर को पीएम नेतन्याहू और राष्ट्रपति ट्रम्प दोनों को कई बार बधाइयां दीं लेकिन दिल्ली की राजनीतिक सोच में स्पष्ट रूप से गज़ा या हमास अनुपस्थित रहा है। यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि भारत ने अब तक हमास को आतंकवादी समूह घोषित नहीं किया है। फिर, सार्वजनिक स्थान पर गज़ा का उल्लेख या नागरिक समाज की बातचीत में खतरे की घंटी क्यों बजती है? यह ध्यान देने वाली बात है कि 1974 में पीएलओ को मान्यता देने वाले पहले गैर-अरब देशों में से भारत एक था। उसने 1998 में फिलिस्तीन को एक सम्प्रभु देश के रूप में मान्यता दी थी और 1946 में संयुक्त राष्ट्र में आत्मनिर्णय और रंग-भेद के उन्मूलन के मुद्दे को उठाने के लिए गुटनिरपेक्ष समूह कानेता रहा था।

नवंबर, 1938 में हरिजन में गांधीजी ने लिखा था, यहुदियों के प्रति मेरी सहानुभूति मुझे न्याय की आवश्यकताओं के प्रति अंधा नहीं करती है। यहूदियों को अरबों पर थोपना गलत और अमानवीय है।% भारत ने 1947 की संयुक्त राष्ट्र विभाजन योजना के आधार पर तैयार संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 181 का विरोध किया था। इज़रायल के नरसंहार कार्यों की आलोचना करने और गज़ा में तत्काल युद्धविराम के प्रस्ताव को वीटो करने वाले कई प्रस्तावों के संदर्भ में 153 सदस्य देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र के पटल पर %द्वि-राष्ट्र सिद्धांत% के समर्थन में इसकी तुलना भारत के मतदान के वर्तमान पैटर्न से करें तो यह दिल्ली के लिए एक असुविधाजनक प्रस्ताव रहा है। जब %फिलिस्तीन% सार्वजनिक चर्चा में निषिद्ध हो गया है तो यह स्थिति इतिहास और फिलिस्तीनी मुद्दे के लिए भारत के समर्थन की लंबी परंपरा को नकारने के समान है।

ट्रम्प शांति योजना, हमास के लिए आत्मसमर्पण का एक चतुराई से हेर-फेर की गई योजना है जो फिलिस्तीनी स्वायत्तता के लिए अभी या भविष्य में किसी भी प्रकार की और न ही संघर्ष के बाद के पुनर्निर्माण में इसकी भागीदारी के लिए कोई गुंजाइश छोड़ता है। योजना की अस्पष्टता के लिए इसकी आलोचना की गई है और यह वैश्विक नियम-आधारित गिरोह द्वारा वैश्विक पूंजीवाद की मिलीभगत के साथ दूर-दराज़ ईवैन्जलिज़्म और ज़ायोनी समर्थन (ज़ायोनीवाद एक राष्ट्रवादी आंदोलन है जो यहूदियों के लिए उनकी ऐतिहासिक मातृभूमि, इज़रायल में एक यहूदी राज्य की स्थापना और उसके अस्तित्व का समर्थन करता है) के वैचारिक पोषण के साथ ऊपर से नीचे थोपना है। इस प्रकार शांति शिखर सम्मेलन और गज़ा की निकटवर्ती परिधि से आईडीएफ की वापसी के तुरंत बाद इजरायली जेल से रिहा किए गए आतंकवादियों ने सार्वजनिक रूप से कई तथाकथित काफिरों का कत्लेआम कर दिया है। इन घटनाओं के बाद खाद्य सहायता रोक दिए जाने के कारण गज़ा इलाके में फिर से अराजकता का माहौल है।

शांति बेहद नाजुक है, ट्रम्प इम्प्रिमेटर के तहत चतुराई से तैयार की गई योजना को अरब देशों द्वारा आसानी से समर्थन दिया गया जिसके पीछे उनकी अपनी कोई योजना नज़र आती है। पिछले दो वर्षों में फिलिस्तिनियों पर किए गए अत्याचारों के बाद भी फिलिस्तीनी प्रतिरोध के खत्म होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। इजरायल पर 7 अक्टूबर, 2023 को किए गए हमास के हमले के अन्यायपूर्ण प्रतिशोध के रूप में अत्याचार हुए हैं।

दिल्ली मेट्रो का जनता को दीवाली तोहफा - पिंक, मैजेंटा और ग्रे लाइनों पर सेवाएं सुबह 6 बजे से

एजेंसी

नई दिल्ली।दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएसआरसी) ने त्योहारों में प्रदेश की जनता को एक खास तोहफा दिया है। दिवाली में लोगों की यात्रा को और आसान बनाने के लिए डीएसआरसी ने मेट्रो ट्रेनों के समय में विशेष बदलाव की घोषणा की है। डीएसआरसी ने सोशल मीडिया एक्स पर आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए बताया कि दिवाली की पूर्व संध्या पर यानी 19 अक्टूबर (रविवार) को पिंक, मैजेंटा और ग्रे लाइनों पर मेट्रो ट्रेन सेवाएं सुबह 7 बजे के स्थान पर सुबह 6 बजे से शुरू होंगी। वहीं, दिवाली के दिन 20 अक्टूबर (सोमवार) को आखिरी मेट्रो ट्रेन सेवा एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन सहित सभी लाइनों के टर्मिनल स्टेशनों से रात 10 बजे तक ही मिलेगी। सामान्य दिनों में यह सेवा रात 11 बजे तक चलती है। दिवाली के दिन बाकी समय मेट्रो ट्रेन सेवाएं सभी लाइनों पर नियमित समय से सामान्य रूप से चलेंगी। डीएसआरसी ने लोगों से अपील की है कि त्योहार के दौरान सार्वजनिक परिवहन का अधिकतम उपयोग करें, ताकि दिल्ली की सड़कें कम अवरुद्ध रहें और हवा साफ रहे। इस बदलाव के कारण से सड़कों पर जाम से भी राहत की उम्मीद जताई जा रही है।

राजीव गांधी ने 1977 के बोइंग सौदे को प्रभावित किया था : निशिकांत दुबे

नई दिल्ली । भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर 1977 में इंडियन एयरलाइंस के विमान खरीद मामले में अनुचित प्रभाव डालने का आरोप लगाया कि उन्होंने प्रमुख सरकारी निकायों के विरोध के बावजूद, एयरबस को चुनने के बजाय व्यक्तिगत कमीशन के लिए बोइंग के साथ सौदा कराने में हस्तक्षेप किया।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, दुबे ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और उनके पिता की कथित संलिप्तता पर सवाल उठाया। 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷राहुल गांधी जी, क्या 1977 में कमीशन के चक्कर में आपके पिता ने एयरबस की बजाय एयर इंडिया से तीन बोइंग विमान खरीदवाए थे? क्या आपके पिता बिना किसी अधिकार के अवैध रूप से बैठकों में शामिल होते थे? क्या कमीशन के लिए योजना आयोग और वित्त मंत्रालय का विरोध आपके परिवार पर लागू नहीं होता था? यह विवाद तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में आपातकाल के अंतिम महीनों में शुरू हुआ था, जब इंडियन एयरलाइंस ने तीन बोइंग 737 विमान खरीदने का फैसला किया था।

संसद भवन से 200 मीटर दूर सांसदों के स्टाफ क्वार्टर में लगी आग

नई दिल्ली। संसद भवन से करीब 200 मीटर दूर स्थित ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में दोपहर आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिशें जारी हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल पर लगी। इलाके में घना धुआं फैल गया, जिसके कारण लोगों को बाहर निकलने में दिक्कत हुई। स्थानीय निवासियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में रहने वाले विनोद ने बताया, ÷मेरा कुत्ता अंदर फँस गया था। मेरी बेटी की शादी कुछ ही महीनों में होने वाली है, और हमने जो भी गहने, सोना और कपड़े खरीदे थे, वे भी अंदर ही हैं। मेरी पत्नी और बच्चा आग की चपेट में आ गए हैं, दोनों अस्पताल में भर्ती हैं। हमें अभी तक यह नहीं पता कि आग कैसे लगी। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि आग पर जल्द काबू पा लिया जाएगा। राहत और बचाव कार्य जारी है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

बिहार की जनता को विकास चाहिए, जंगलराज कभी नहीं लौट सकता: प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली । भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का खुलकर समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह दिन दूर नहीं जब भारत नक्सलवाद और माओवादी आतंक से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। सांसद खंडेलवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने बिल्कुल सही बात कही है। पहले माओवादी आतंकवाद का बोलबाला था, लेकिन मोदी सरकार ने इस पर कड़ी लगाम लगाई है।आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि पहले आतंकवादी घटनाएं बहुत अधिक होती थीं और माओवादी घटनाओं का सिलसिला चलता रहता था, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह द्वारा चलाए गए अभियानों के कारण अब माओवादी और आतंकवादी खुद सरेंडर कर रहे हैं। राजद की ओर से बिहार चुनाव को लेकर हुए टिकट बंटवारे को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ठीक ही इशारा किया है कि राजद उम्मीदवारों की सूची में शहाबुद्दीन के बेटे का नाम शामिल है। विपक्ष के लोग कभी बिहार का भला नहीं कर सकते। उनके राज में पहले भी गुंडागर्दी का माहौल था और वे अब भी वैसा ही वातावरण बनाना चाहते हैं। लेकिन बिहार की जनता समझदार है। वह विकास को वोट देगी, न कि गुंडागर्दी करने वालों को। उन्होंने कांग्रेस-राजद सहयोगी दलों को 'ठगबंधन' करार देते हुए कहा कि अपराधियों को टिकट देना उनकी मजबूरी है। वे अपराधियों के चंगुल में फंसे हुए हैं।

रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया-मारवाड़ जंक्शन ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे को दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने देवगढ़ मदारिया से मारवाड़ जंक्शन तक 72 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉड गेज रेल लाइन के फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) को मंजूरी प्रदान की है। रेल मंत्रालय ने ो एक बयान जारी कर कहा कि इस स्वीकृति के बाद जोधपुर और बीकानेर से होकर चित्तौड़गढ़ और उदयपुर तक सीधी रेल संपर्क की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ गया है। नई रेल लाइन के निर्माण से यात्रा का समय और दूरी दोनों में कमी आएगी तथा यात्री और मालगाड़ियों के संचालन की क्षमता में वृद्धि होगी।

बयान में कहा गया है कि यह रेल लिंक राजसमंद, उदयपुर और पाली जिलों के बीच कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करेगा, जिससे उन क्षेत्रों तक आधुनिक रेल सेवाएं पहुंच सकेंगी जहां अब तक सुविधाएं सीमित थीं। इस परियोजना से देवगढ़ मदारिया क्षेत्र के किसानों को भी बड़ा

लाभ होगा, क्योंकि उनकी फसलें–विशेषकर फल और सब्जियां–अब मारवाड़ क्षेत्र के नए बाजारों तक आसानी से पहुंच सकेंगी। नई लाइन से मारवाड़ क्षेत्र में तेज गति की ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। यह विकास कार्य दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (डीएमआईसी) के रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप है और विशेष रूप से जोधपुर-पाली औद्योगिक क्षेत्र के लिए लाभकारी सिद्ध होगा, जो पश्चिमी भारत में एक उभरता हुआ औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब है। बेहतर रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर से आपूर्ति श्रृंखलाएं मजबूत होंगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा औद्योगिक केंद्रों को देश के प्रमुख बंदरगाहों और बाजारों से अधिक कुशलता से जोड़ा जा सकेगा। पर्यटन के क्षेत्र में भी इस परियोजना से बड़ा लाभ होने की संभावना है। इस मार्ग से कुंभलगढ़ किला, चारभुजा मंदिर और द्वारकाधीश मंदिर (कंकरोली) जैसे प्रसिद्ध धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों तक रेल से पहुंच और आसान हो जाएगी। इससे पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा।

क्षेत्र में संगमरमर, ग्रेनाइट और सीमेंट उद्योगों को भी रेलवे के मिशन तीन हजार एमटी के तहत माल ढुलाई क्षमता बढ़ने से बड़ा फायदा होगा। कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई तेज, विश्वसनीय और किफायती बनने से औद्योगिक विकास और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। इसके साथ ही 969 करोड़ रुपये की लागत से चल रही 82 किलोमीटर लंबी नाथद्वारा-देवगढ़ मदारिया ब्रॉड गेज परिवर्तन परियोजना भी सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। यह परियोजना भील, गरासिया और सहारिया जनजातीय समुदायों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित कर उनके जीवन स्तर में सुधार लाएगी।

रेलवे ने गरीब रथ एक्सप्रेसमें आग की घटना के दिए जांच के आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के सरहिंद स्टेशन के पास आग की चपेट में आई अमृतसर से बिहार के सहरसा जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस को हादसे के बाद सुबह करीब 11 बजे अंबाला कैंट स्टेशन लाया गया। जहां ट्रेन के 3 कोच बदलने के बाद यात्रियों को रवाना किया गया। ट्रेन में आग लगने के कारण करीब छह घंटे तक यात्री परेशान रहे। इस बीच रेलवे ने हादसे की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। सरहिंद के पास आग लगने की घटना के बाद रेलवे की तरफ से चंडीगढ़ व अंबाला में सूचना दी गई। जिसके चलते चंडीगढ़ से तीन कोच मंगवाए गए। इस बीच हादसे का शिकार हुई यात्री गाड़ी अंबाला कैंट पहुंची। जहां अधिकारियों की मौजूदगी में आग के कारण नष्ट हुए तीन कोच बदले गए। इसके बाद यात्रियों को दोबारा उनकी सीटों पर भेजा गया। पंजाब में हुए इस हादसे के कारण मेन लाइन प्रभावित हुई। इससे गुरमुखी एक्सप्रेस, अमृतसर शताब्दी, सचखंड एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें लेट चल रही हैं। गरीबरथ एक्सप्रेस भी अपने तय समय से करीब 6 घंटे लेट है। इस घटना का असर कई अन्य ट्रेनों पर भी पड़ा है।

अमृतसर शताब्दी एक्सप्रेस, गुरुमुखी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, सचखंड एक्सप्रेस, दिल्ली इंटरसिटी, जालंधर इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के संचालन में देरी हुई है। अंबाला मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विनोद भाटिया ने बताया कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ट्रैक को सुचारू कर दिया गया है।

दिल्ली में विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत, 500 से अधिक जीवीपी स्थलों पर होगा निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने राजधानी की सड़कों और गलियों से कूड़े के ढेरों को समाप्त करने के लिए ो एक विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। निगम के नेता सदन प्रवेश वाही ने बताया कि इस अभियान के तहत दिल्ली के सभी जोनों में 517 गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट (जीवीपी) स्थलों पर प्रतिदिन स्वच्छता निरीक्षण किया जाएगा।

इस अभियान का नेतृत्व दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह, उपमहापौर जय भगवान यादव, स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा, स्थायी समिति उपाध्यक्ष सुंदर तंवर, शिक्षा समिति अध्यक्ष योगेश वर्मा और डेम्स समिति अध्यक्ष संदीप कपूर करेंगे। इनके साथ सभी जोनों के अध्यक्ष और निगम के अधिकारी रोजाना सुबह निरीक्षण पर निकलेंगे। महापौर राजा इकबाल सिंह ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ और हरा-भरा रखना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। इस दिशा में नागरिकों की भागीदारी सबसे अहम है। नेता सदन प्रवेश वाही ने बताया कि दिल्ली के 12 जोनों में 517 ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां नियमित रूप से कूड़ा इकट्ठा हो जाता है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का लक्ष्य है हर वार्ड, हर जोन और हर सड़क को साफ-सुथरा और कूड़ा-मुक्त बनाना। नेता सदन ने कहा कि निरीक्षण के दौरान अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कूड़ा किन कारणों से जमा होता है और उसकी रोकथाम के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, हर दिन की

प्रगति रिपोर्ट तैयार कर निगम मुख्यालय और दिल्ली सरकार को भेजी जाएगी।

प्रवेश वाही ने बताया कि जीवीपी स्थलों को न केवल साफ किया जाएगा, बल्कि उन पर पौधे लगाकर आकर्षक रूप में विकसित किया जाएगा ताकि दोबारा लोग वहां कूड़ा न डालें।

बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं : रविंद्र इंद्राज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज ने बिंदापुर स्थित ओल्ड एज होम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाई और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने वृद्धजनों के साथ दीये जलाए और उन्हें मिठाई खिलाकर उत्सव की खुशियां साझा कीं। रविंद्र इंद्राज ने कहा कि बुजुर्ग हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका स्नेह, अनुभव और आशीर्वाद हमारे जीवन को दिशा देता है। दीपावली की सच्ची रोशनी तभी है जब हमारे आसपास कोई भी बुजुर्ग अकेला या उदास न हो। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि इस दीपावली पर अपने आस-पास रहने वाले किसी बुजुर्ग के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज के हर सदस्य का यह दायित्व है कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान और अपनापन हमेशा बना रहे। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार, समाज कल्याण विभाग के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। ओल्ड एज होम्स की सुविधाओं को और बेहतर बनाने तथा बुजुर्गों के लिए सामुदायिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने

की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों के लिए नई योजनाओं पर भी लगातार काम कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों की मानसिक सेहत के लिए नये रिक्रिएशन सेंटर की योजना है और ओल्ड एज होम में काउंसिलिंग पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि हाल ही में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सेवा पखवाड़े के दौरान दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 हजार नई पेंशन वैकेंसी निकाली गई हैं। इसके साथ ही पश्चिम विहार में सावित्री बाई फुले ओल्ड एज होम का लोकार्पण भी किया गया है। वरिष्ठ नागरिकों को लगभग आठ लाख रुपये के उच्च गुणवत्ता वाले निःशुल्क उपकरण भी प्रदान किए गए हैं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार की हर योजना का लाभ प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों तक पहुंचने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। इस दिशा में सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों को पेंशन का लाभ मिलेगा। उन्हें सहायक उपकरण के रूप में व्हीलचेयर, वॉकर, व्हील बेयर और व्हील बेयर कमोड, कान की मशीन, चश्मा, सिलिकॉन फोम तकिया, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, नी प्रेस, सर्वाइकल कॉलर और अन्य स्वास्थ्य सहायक किट दिये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी में बुजुर्गों की अच्छी मानसिक सेहत के लिए रिक्रिएशन सेंटर के विकास पर भी 20 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

गौरक्षक और भीड़ हिंसा पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्णय को मौलाना महमूद मदनी ने सच्चाई उजागर करने वाला बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने राहुल यादव बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (आपराधिक वाद संख्या 9567/2025) मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि न्यायालय ने हिंसा, मॉब-लिंचिंग और गौरक्षकों के अत्याचारों पर उत्तर प्रदेश सरकार को जो चेतावनी दी गई है, वह समय के अनुकूल है और सच्चाई को उजागर करने वाली है।

न्यायालय ने प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा दर्ज की गई गौ हत्या की एक एफआईआर को खारिज करते हुए कहा कि आज के दौर में भीड़ हिंसा आए दिन घटित होने वाली एक आम बात बन चुकी है, जो वास्तव में कानून के शासन की विफलता का संकेत है। इसके अलावा, पुलिस इसे रोकने के बजाय, हिंसा के पीड़ितों पर गलत एफआईआर दर्ज करके अराजकता और सामाजिक विभाजन पैदा कर रही है। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद लंबे समय से यह मुद्दा उठाती रही है कि गोरक्षा के नाम पर कानून को हाथ में लेने और निर्दोष लोगों को निशाना बनाने का सिलसिला बंद होना चाहिए। हमने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका भी दायर की थी, जहां न्यायालय ने सरकारों को तहसीन पूनावाला मामले में दिए गए निर्देशों का पालन करने का आदेश दिया था। लेकिन दुर्भाग्य से, सरकारों ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को ध्यान देने योग्य नहीं समझा, जिससे गोरक्षों का मनोबल और बढ़ गया। साथ ही, कानून बनाने और उनके क्रियान्वयन में राज्य प्रायोजित सांप्रदायिकता की भूमिका रहती है।

मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि देश के लिए राज्य प्रायोजित सांप्रदायिकता से बड़ा कोई नासूर नहीं है, जो भारत के संविधान की जड़ों को खोखला कर रही है। ज्ञात हो कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में लिखा है कि तहसीन एस पूनावाला बनाम भारत संघ (2018) के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सपष्ट निर्देश दिया था कि हर जिले में नोडल अधिकारी की नियुक्ति, विशेष टास्क फोर्स का गठन और भीड़ हिंसा के मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना की जाए और उन अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए, जो अपने दायित्वों का पालन करने में विफल रहें। जमीअत अध्यक्ष ने कहा कि इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, उत्तर प्रदेश पुलिस ने केवल एक सर्कुलर जारी कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली और कोई औपचारिक सरकारी आदेश जारी नहीं किया। न्यायालय ने कहा कि जारी किया गया सर्कुलर केवल पुलिस सलाह तक सीमित था, जबकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 162 के तहत एक व्यापक सरकारी नीति की आवश्यकता है। साथ ही, संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत अदालती आदेशों का पालन अनिवार्य और बाध्यकारी है। मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि कानून तोड़ने, निर्दोष नागरिकों को अपमानित करने या उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन करने का कोई औचित्य प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

सीबीआई ने जेकेएलएफसी के अधिकारी को घूस लेते रंगे हाथों पकड़ा

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख वित्त निगम (जेकेएलएफसी) के कानूनी अनुभाग अधिकारी सुनील जांजुआ को बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया था कि उसने निगम से लिए गए 51 लाख रुपये के लघु, सूक्ष्म और मध्यम उद्यम ऋण के निपटारे के लिए अपनी फाइल जमा की थी। फाइल को आगे बढ़ाने के लिए अधिकारी ने 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद पहले चरण में 20 हजार रुपये देने की बात तय हुई। सीबीआई ने 17 अक्टूबर को जाल बिछाकर आरोपी को उस समय पकड़ा, जब वह शिकायतकर्ता से यूपीआई के माध्यम से 20 हजार रुपये ले रहा था। तय हुआ था कि शेष राशि निर्णय आने के बाद दी जाएगी। सीबीआई ने आरोपित के आवास पर तलाशी की कार्रवाई शुरू की है। मामले की जांच जारी है।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने पर्यावरण के अनुकूल दिवाली मनाने का किया आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। एक हरी-भरी दिवाली ही खुशहाल दिवाली है, आइए प्लास्टिक कम करें और पर्यावरण के अनुकूल सजावट अपनाएं' यह संदेश दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 'सम्पूर्णा ग्रीन दिवाली मेला 2025' में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए दिया। उन्होंने नागरिकों से पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी के साथ दिवाली मनाने का आह्वान किया। यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित गैर-सरकारी संगठन 'सम्पूर्णा' द्वारा महाराणा प्रताप कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर-9, रोहिणी में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य सतत, रचनात्मक और समावेशी उत्सवों को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर संस्था की संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. शोभा विजेंद्र, पार्षद परवेश वही, स्मिता कौशिक, चिकित्सक, समाजसेवी और दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। विजेंद्र गुप्ता ने समारोह में सम्पूर्णा के पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से जागरूक उत्सवों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा,'त्योहारों का उद्देश्य खुशी फैलाना होना चाहिए, न कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना।

दिवाली, रोशनी का त्योहार है, साथ ही यह जागरूकता का त्योहार भी होना चाहिए – जो हमें स्वच्छ हवा, जिम्मेदार खपत और सभी के प्रति सहानुभूति की ओर मार्गदर्शन करे।'

विधानसभा के अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा एक साझा नागरिक दायित्व है, जो भारत की सतत विकास और जिम्मेदार नागरिकता की बड़ी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। उन्होंने सामुदायिक पहल की अहमियत को रेखांकित करते हुए नागरिकों से छोटे परंतु प्रभावशाली कदम उठाने का आह्वान किया, जैसे प्लास्टिक कम करना और पर्यावरण के अनुकूल सजावट अपनाना। मेले में विभिन्न आयु समूहों के प्रतिभागियों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जो रचनात्मकता और सामुदायिक भावना को उजागर करती थीं। वरिष्ठ नागरिक कविता प्रतियोगिता, बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, युवा और मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता, और 'हरी और जिम्मेदार दिवाली' थीम पर रंगोली प्रतियोगिता में उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

23 तक ड्रोन उड़ाने और जुलूस पर रोक, त्योहारों के मद्देनजर कमिश्नरेट पुलिस ने लागू की धारा 163

एजेंसी

नोएडा। दिवाली समेत अन्य त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था व शांति के लिए कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 163 लागू कर दी गई है। इसकी पांबदियां 18 अक्टूबर से 23 तक प्रभारी रहेंगी। इस दौरान ड्रोन नहीं उड़ाया जा सकेगा। किसी भी प्रकार का धरना-प्रदर्शन, जुलूस या सार्वजनिक सभा बिना अनुमति के आयोजित नहीं की जा सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानों और आवासीय इलाकों में 40 से 75 डेसिबल से अधिक आवाज में लाउडस्पीकर या डीजे बजाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। ड्रोन कैमरे का उपयोग भी पुलिस से अनुमति के बिना नहीं किया जा सकेगा।

दिल्ली में भाजपा कार्यालय में दीपावली उत्सव का आयोजन, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में दिल्ली के भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीप प्रज्वलित कर सभी दिल्लीवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह दीपोत्सव दिल्लीवासियों के जीवन में विश्वास, संतोष और दिव्यता का अमिट प्रकाश फैलाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज भाजपा के वरिष्ठजनों और कार्यकर्ता साथियों के साथ दिल्ली भाजपा कार्यालय में दीपावली उत्सव में शामिल हुई। यह दीपावली दिल्ली के लिए विशेष है। पिछले सात माह में दिल्ली सरकार ने जनता के हित में जिस समर्पण और प्रतिबद्धता से कार्य किया है, उसका परिणाम आज हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। उन्होंने बताया कि इस बार दिल्ली में पहली बार कर्तव्य पथ पर भव्य और दिव्य दीपोत्सव का आयोजन हो रहा है, जिसमें एक लाख 51 हजार दीपों की श्रृंखला, ड्रोन शो, रामकथा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दिल्लीवासियों को दीपावली के रंग में

सराबोर करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दीपावली पर दिल्ली को कई उपहार मिले हैं, जिनमें व्यापारियों के लिए 'इज ऑफ डोइंग बिजनेस' की सुगमता, जीएसटी रिफंड से राहत, ग्रीन पटाखों की अनुमति और दिल्ली को 'करेटिव कैपिटल' बनाने का संकल्प शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हर पीढ़ी की खुशहाली, आत्मनिर्भरता और आत्मगौरव का उत्सव है, जो विशेष रूप से महिलाओं को समर्पित है, जिनके परिश्रम और संवेदना से समाज की नींव मजबूत होती है।

इस अवसर पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह दीपावली दिल्ली के लिए नई आशा और विश्वास का प्रतीक है। भाजपा सरकार ने दिल्ली को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। कर्तव्य पथ पर आयोजित दीपोत्सव न केवल दिल्ली की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि पर्यावरण और परंपरा के बीच संतुलन बनाए रख सकते हैं। उन्होंने ग्रीन पटाखों की अनुमति और व्यापारियों के लिए किए गए सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि यह दिल्ली के लिए एक स्वर्णिम युग की शुरुआत है।

उच्चतम न्यायालय के दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की अनुमति दिए जाने पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दीपावली हमारी संस्कृति से जुड़ा एक अभिन्न अंग है और प्रभु श्री राम से जुड़ा ये त्योहार हम सभी के जीवन में खुशियां व उमंग लेकर आता है। दिल्ली की पिछली सरकारों ने सनातन से जुड़े त्योहारों को बाधित करने का काम किया है।

अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है और मुख्यमंत्री उन सभी पुरानी परंपराओं को जीवित कर उसे उल्लास के साथ मनाने का भी प्रयास कर रही हैं। दिल्ली सरकार ने पक्ष अच्छा रखा तो सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनुमति दी। हर धर्म को अपना त्योहार खुशियों से मनाना चाहिए।

ऋषि सुनक ने दिल्ली के बंगाली मार्केट में ससुराल वालों के साथ मिठाई का आनंद लिया

एजेंसी

नई दिल्ली ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ससुराल वालों के साथ मध्य दिल्ली के बंगाली मार्केट स्थित एक रेस्टोरेंट में स्थानीय [illegible] I am Sorry !!!! मालिक ने बताया कि इस वीआईपी उपस्थिति ने इस उच्चस्तरीय व्यापारिक जिले में खरीदारों और भोजन करने वालों का ध्यान आकर्षित किया। %एनडीटीवी वर्ल्ड समिट- 2025% में सुनक ने कहा कि मैंने बंगाली स्वीट्स में कुछ मिठाइयां खाईं। उन्होंने अपनी सास सुधा मूर्ति, जो राज्यसभा सदस्य हैं और दिल्ली के लोकप्रिय स्थानों से परिचित हैं, को अपने परिवार के साथ घूमने के लिए इस रेस्टोरेंट का सुझाव देने का श्रेय दिया। बंगाली मार्केट में अपने ससुराल वालों के साथ समय बिताते हुए, सुनक को अन्य ग्राहकों और बंगाली स्वीट हाउस के मालिक से शुभकामनाएं स्वीकार करते देखा गया। सुनक रेस्टोरेंट की मेज पर एक कुर्सी पर बैठे थे, सामने उनके ससुर एनआर नारायण मूर्ति, इन्फोसिस के संस्थापक, और बगल में उनकी सास सोफे पर बैठी थीं। उत्सुक लोग रेस्टोरेंट की बड़ी खिड़कियों से खास मेहमानों के वीडियो और तस्वीरें लेते नजर आए। सुनक और मूर्ति परिवार ने बंगाली स्वीट हाउस में खाना खाया। यह दुकान दिल्ली के मंडी हाउस के पास है, जो कला और थिएटर क्षेत्र के करीब है। यह जगह पर्यटकों और कलाकारों, खासकर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के पूर्व छात्रों जैसे बॉलीवुड अभिनेताओं के बीच लोकप्रिय है। सुनक दिल्ली में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली आए हैं। इससे पहले सुनक ने कहा था कि वह अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट और एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में शामिल हो गए हैं। पिछले जुलाई में आम चुनाव में हार के बाद विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पद से इस्तीफा देने वाले सुनक ब्रिटिश संसद के सदस्य बने हुए हैं। लिंक्डइन पर एक पोस्ट में सुनक ने कहा कि इन पदों से प्राप्त होने वाली पूरी राशि द रिचमंड प्रोजेक्ट को दान कर दी जाएगी, जो एक चैरिटी है, जिसकी शुरुआत उन्होंने अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ मिलकर की थी।

धार्मिक ग्रंथों में दीपावली का महत्व

दीपोत्सव का वर्णन प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। दीपावली से जुड़े कुछ रोचक तथ्य हैं जो इतिहास के पन्नों में अपना विशेष स्थान बना चुके हैं। इस पर्व का अपना ऐतिहासिक महत्व भी है, जिस कारण यह त्योहार किसी खास समूह का न होकर संपूर्ण राष्ट्र का हो गया है।

धर्म की दृष्टि से दीपावली के त्योहार का ऐतिहासिक महत्व है। अनेक धर्मग्रंथ दीपावली का ऐतिहासिक महत्व हमें बतलाते हैं। आइए जानते है दीपावली से जुड़े धार्मिक तथ्य...।

* विष्णु ने तीन पग में तीनों लोकों को नाप लिया। राजा बलि की दानशीलता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक का राज्य दे दिया, साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि उनकी याद में भू लोकवासी प्रत्येक वर्ष दीपावली मनाएंगे।

महाप्रतापी तथा दानवीर राजा बलि ने अपने बाहुबल से तीनों लोकों पर विजय प्राप्त कर ली, तब बलि से भयभीत देवताओं की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण कर प्रतापी राजा बलि से तीन पग पृथ्वी दान के रूप में मांगी। महाप्रतापी राजा बलि ने भगवान विष्णु की चालाकी को समझते हुए भी याचक को निराश नहीं किया और तीन पग पृथ्वी दान में दे दी।

* त्रेतायुग में भगवान राम जब रावण को हराकर अयोध्या वापस लौटे तब उनके आगमन पर दीप जलाकर उनका स्वागत किया गया और खुशियां मनाई गईं।

* कार्तिक अमावस्या के दिन सिखों के छठे गुरु हरगोविन्दसिंहजी बादशाह जहांगीर की कैद से मुक्त होकर अमृतसर वापस लौटे थे।

* बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध के समर्थकों एवं अनुयायियों ने 2500 वर्ष पूर्व गौतम बुद्ध के स्वागत में हजारों–लाखों दीप जलाकर दीपावली मनाई थी।

* कृष्ण ने अत्याचारी नरकासुर का वध दीपावली के एक दिन पहले चतुर्दशी को किया था। इसी खुशी में अगले दिन अमावस्या को गोकुलवासियों ने दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं।

* 500 ईसा वर्ष पूर्व की मोहनजोदड़ो सभ्यता के प्राप्त अवशेषों में मिट्टी की एक मूर्ति के अनुसार उस समय भी दीपावली मनाई जाती थी। उस मूर्ति में मातृ–देवी के दोनों ओर दीप जलते दिखाई देते हैं।

* अमृतसर के स्वर्ण मंदिर का निर्माण भी दीपावली के ही दिन शुरू हुआ था।

* जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर ने भी दीपावली के दिन ही बिहार के पावापुरी में अपना शरीर त्याग दिया। महावीर–निर्वाण संवत्? इसके दूसरे दिन से शुरू होता है। इसलिए अनेक प्रांतों में इसे वर्ष के आरंभ की शुरुआत मानते हैं।

* यह भी कथा प्रचलित है कि जब श्रीकृष्ण ने आतताई नरकासुर जैसे दुष्ट का वध किया तब ब्रजवासियों ने अपनी प्रसन्नता दीपों को जलाकर प्रकट की।

* राक्षसों का वध करने के लिए मां देवी ने महाकाली का रूप धारण किया। राक्षसों का वध करने के बाद भी जब महाकाली का क्रोध कम नहीं हुआ तब भगवान शिव स्वयं उनके चरणों में लेट गए। भगवान शिव के शरीर स्पर्श मात्र से ही देवी महाकाली का क्रोध समाप्त हो गया। इसी की याद में उनके शांत रूप लक्ष्मी की पूजा की शुरुआत हुई। इसी रात इनके रौद्ररूप काली की पूजा का भी विधान है।

* मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर दीपावली को त्योहार के रूप में मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेते थे।

* शाह आलम द्वितीय के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लाल किले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू–मुसलमान दोनों भाग लेते थे।

* पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ। इन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली।

* महर्षि दयानन्द ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया। इन्होंने आर्य समाज की स्थापना की।

* दीन–ए–इलाही के प्रवर्तक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में दौलतखाने के सामने 40 गज ऊंचे बांस पर एक बड़ा आकाशदीप दीपावली के दिन लटकाया जाता था। बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे।

* सम्राट विक्रमादित्य का राज्याभिषेक दीपावली के दिन हुआ था। इसलिए दीप जलाकर खुशियां मनाई गईं।

* ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में रचित कौटिल्य अर्थशास्त्र के अनुसार कार्तिक अमावस्या के अवसर पर मंदिरों और घाटों (नदी के किनारे) पर बड़े पैमाने पर दीप जलाए जाते थे।

परिवार संग करें देवी पूजन

कहते हैं कि माता के शरण में सच्चे मन से जो भी व्यक्ति जाता है। उसकी सारी समस्याओं का निवारण हो जाता है। वैसे भी लक्ष्मी का आशीर्वाद मनुष्य को केवल संपन्न ही नहीं बनाता, बल्कि परिवार में खुशियां भी ले कर आता है। इस बार परिवार के सभी सदस्य मिलकर कैसे मनाएं लक्ष्मी जी को आइए जानते हैं।

श्रीसूक्त में लक्ष्मीजी को 'विश्व प्रिये, विष्णु मनोनुकूले' कहकर सम्बोधित किया गया है। इसका अर्थ है कि लक्ष्मी का आशीर्वाद कौन नहीं पाना चाहता? धन वैभव किसे नहीं चाहिए? लक्ष्मी के आशीर्वाद से घर में पैसा आता है और सुख भी। लक्ष्मी का आशीर्वाद और विष्णु भगवान की अनुकूलता से घर में सुख-शांति और समृद्धि हमेशा बनी रहती है। दीपावली की रात पारिवारिक दृष्टि से सुख-समृद्धि व व्यापारियों के लिये लाभ और प्रगति के लिए अलग-अलग मुहूर्तों पर पूजा करने का प्रावधान है। पारिवारिक समृद्धि के लिये प्रदोष काल यानी शाम को दो घंटे में वृषभ लग्न में पूजा करने का प्रावधान है, जबकि व्यापारियों के लिये आधी रात में पड़ने वाला सिह लग्न का मुहूर्त उत्तम माना गया है। रात में की गई पूजा का फल सबसे अच्छा होता है।

व्यापार में सफलता दिलाती है लक्ष्मी पूजा

आज के इस आधुनिक दुनिया में हर व्यक्ति किसी ना किसी रूप से परेशान है ही। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी होती है। कमाई की समस्या। किसी को नौकरी नहीं मिलती तो किसी का व्यावसाय नहीं चलता। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं और यदि बहुत मेहनत करने के बाद भी आप को सही फल नहीं मिल रहा है व व्यापार में लगातार लाभ नहीं हो पा रहा है, तो इस प्रयोग से आप लक्ष्मीजी को प्रसन्न करने में कामयाब रहेंगे। दीपावली की शाम को 16 गोमती चक्र गुलाब जल से धोकर लाल चन्दन वाले पानी में डुबा दें। श्रीं श्रीं श्रीं कमले कमलालये विष्णु वल्लभायै धन समृद्धि प्रदायै महालक्ष्म्यै श्रीं श्रीं श्रीं मंत्र से धूप-दीप अर्पित करें। मंत्र का जाप करें। गोमती चक्र को अपने प्रतिष्ठान में लगाएं। इससे आपको लाभ मिलेगा।

सिह लग्न में लक्ष्मीजी की पूजा

यह पूजा आधी रात को व्यापारियों द्वारा अपने प्रतिष्ठान में संपन्न कराई जाती है। गणेश पूजन के बाद कमल गट्टा और अन्य जड़ी-बूटियों के साथ लक्ष्मीजी का आह्वान किया जाता है। सबके साथ मिलकर 'कनकधारा स्त्रोत ' तथा 'श्व्ल्हृ ल्द्' का पाठ कर लक्ष्मी जी का अभिषेक करें और आरती कर सभी कर्मियों में प्रसाद बांटें। अपने बहीखाते का सरस्वती के रूप में पूजन करें। लिखने के लिये प्रयुक्त की जाने वाली कलम या स्याही की बोतल का मां काली के रूप में पूजन करें। प्रतिष्ठान के द्वार पर गणेश जी की पूजा करें और शुभ लाभ अंकित करें।

गोवर्धन पूजा से प्रसन्न होंगे भगवान श्रीकृष्ण

I am Sorry !!!!

गोवर्धन पूजा के दिन सुबह आम की लकड़ी के पाट पर गाय के गोबर से छोटे पहाड़ बनाएं। दोनों पहाड़ों की धूप,दीप चन्दन आदि से पूजा करें और घर के द्वार पर लगा कर फिर से पूजा करें। इससे भगवान कृष्ण की कृपा से जीवन में स्थिरता प्राप्त होती है।

मंगल देवताया

मां लक्ष्मी का पंचामृत से श्रीसूक्त का पठन करते हुए अभिषेक करें। चंचलाये नमः, चपलाये नमः मंत्रों का उच्चारण करते हुए लक्ष्मी की पूजा करें। अष्ट लक्ष्मी का पूजन भी करें। श्रृंगार सामग्री, धूप, दीप भोग अर्पित करने के बाद आरती करें और सबको प्रसाद बांटें। दीप जलाना ना भूलें।

भाई की लम्बी उम्र की प्रार्थना

भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। शास्त्रों में वर्णन है कि यम द्वितीया को मृत्यु के देवता। अपनी बहन यमुना से मिलने आते हैं। इसीलिये यमुना के तट पर पूजा का बहुत महत्ता है। इस दिन अपने भाई का चन्दन, रोली से टीका कर आरती करें। भाई की दीर्घायु हेतु प्रार्थना करें। भाई के साथ भगवान शिव के भी दर्शन करें।

दीपावली की रात कुछ ऐसे मिलते हैं संकेत

दीपावली की रात देवी लक्ष्मी धरती पर आती हैं। इस रात जिस घर पर देवी की कृपा हो जाती है उनके लिए पूरा वर्ष सुखद रहता है। धन आगमन एवं लाभ का स्त्रोत बना रहता है।

भौतिक सुख के साधन एवं स्थायी संपत्ति में इजाफा होता है। शकुन शास्त्र एवं प्राचीन मान्यताओं के अनुसार दीपावली की रात कुछ ऐसे संकेत मिलते हैं जिससे आप जान सकते हैं कि इस वर्ष आप पर लक्ष्मी की कृपा हुई है।

दीवारों पर दिख जाए छिपकली

दीवारों पर दौड़ती हुई छिपकली आपको यूं तो अक्सर दिख जाएगी। लेकिन दीपावली की रात छिपकली का दिखना बड़ा ही दुर्लभ होता है। इस रात अगर आपको छिपकली दिख जाए तो यह बड़ा ही अच्छा शगुन होता है। यह लक्ष्मी की कृपा का सूचक माना गया है।

परिणाम स्वरूप उत्साह और ध्यान से काम कर सकेंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा। सप्ताह के अंत में आर्थिक आयोजन में प्रारंभिक अवरोध के बाद सफलता मिलेगी। निवेशकार सावधानीपूर्वक निवेश करें, मित्रों- शुभेच्छकों के मिलने से आप को आनंद होगा। व्यवसायक्षेत्र में सहयोगभरा माहौल रहेगा। दोस्तों, भाई-बंधुओं और पड़ौसियों के साथ संबंध मनमेल भरे रहेंगे। नए कार्यों की शुरूआत कर सकते हैं।

बिल्ली घर में आए तो किस्मत खुल जाए

घर में घुसकर बिल्ली अक्सर दूध पी जाती है और आप इससे दुःखी हो जाते हैं। लेकिन दीपावली की रात अगर बिल्ली घर में आ जाए तो जश्न मनाना चाहिए। यह धन वृद्धि का सूचक होता है।

बिल्ली को नकारात्मक उर्जा का संचार करने वाला जीव माना गया है लेकिन दीपावली की रात घर की छत पर बिल्ली आकर मल त्याग करे तो इसे स्थायी लक्ष्मी की प्राप्ति का संकेत मानना चाहिए।

प्रार्थना करें उल्लू दिख जाए

देवी लक्ष्मी का वाहन उल्लू माना गया है। माना जाता है कि दीपावली की काली अमावस रात में देवी लक्ष्मी अपने वाहन पर बैठकर भ्रमण करती हैं। इसलिए इस दिन उल्लू का दिखना बहुत ही शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस दिन उल्लू का दिखना देवी लक्ष्मी की कृपा से ही संभव होता है।

साल भर धनागमन बना रहता है

छछुंदर जमीन के अंदर बिल बनाकर रहता है। यह रात के समय घरों में घुसकर बिखरे अनाज और दूसरे खाद्य पदार्थों को खाकर पेट भरता है।

दीपावली की रात अगर छछुंदर घर में आ जाए तो इसे भी शुभ संकेत समझना चाहिए इससे साल भर धनागमन बना रहता है।

दीपावली के दिन गिरा हुआ अथवा कहीं से अटका हुआ धन का मिलना भी शुभ शगुन माना गया है। इस दिन उपहार मिलना भी शुभ शगुन माना गया है। इसलिए दीपावली के दिन एक दूसरे को उपहार देने का रिवाज है। इस खर्च के कारण जेब हल्की होने पर भी आप आनंदित रहेंगे। सप्ताह के अंत में स्थिति थोड़ी प्रतिकूल होने के कारण सरकारी मामलों में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से उलझने से बचें। विरोधी और शत्रु सक्रिय रहेंगे। आप आध्यात्म के मार्ग से मन की शांति पा सकते हैं। गहन चिंतन से आप खुद की कमियों को दूर कर पाएंगे।

सप्ताह के मध्य में ग्रहदशा सुधरने से आपका मन हलका होगा। पड़ोसियों के साथ संबंध मिठास भरा रहेगा। घर में मित्रों और स्नेहीजनों का आगमन आनंददायी होगा। यात्रा होने की भी संभावना है। भाग्यवृद्धि के योग हैं। सप्ताह के अंत में आप के स्वभाव में भावुकता ज़्यादा रहेगी। भविष्य सुरक्षित करने के लिए दीर्घकालिक निवेश करने का उत्तम समय है। माता की ओर से ज़्यादा प्रेम का अनुभव होगा।

मखाना का भोग

लक्ष्मी मैया को मखाना प्रिय है। इसका कारण यह है कि लक्ष्मी माता जल से प्रकट हुई हैं। मखाना भी जल में पलता बढ़ता है, यानि जल से जन्म लेता है। सागर को मथने के बाद जैसे लक्ष्मी उत्पन्न हुई थीं उसी प्रकार मखाना भी जल में एक कठोर आवरण में ढ़का रहता है।

एनएमडीसी स्टील को हॉट रोल्ड स्टील के लिए मिला बीआईएस प्रमाणन

एजेंसी

नई दिल्ली। अत्याधुनिक एकीकृत इस्पात संयंत्र एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह भारत की पहली कंपनी बन गई है, जिसे हॉट रोल्ड स्टील स्ट्रिप, शीट और प्लेट्स के लिए भारतीय मानक (आईएस) लाइसेंस मिला है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में बताया कि यह प्रमाणन रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित विश्व मानक दिवस 2025 समारोह के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने प्रदान किया। यह पुरस्कार एनएमडीसी स्टील के मुख्य महाप्रबंधक (इस्पात) अमृत नारायण ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों प्राप्त किया। इस समारोह में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल तथा बीआईएस रायपुर के निदेशक एवं प्रमुख एसके गुप्ता उपस्थित रहे। मंत्रालय ने कहा कि आईएस 18384:2023 प्रमाणन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस उद्योग में पाइपलाइन परिवहन प्रणालियों के लिए डिज़ाइन किए गए इस्पात उत्पादों में उत्कृष्टता के लिए एक महत्वपूर्ण मानक स्थापित करता है। यह एनएमडीसी स्टील के तकनीकी उन्नयन, उत्कृष्ट उत्पाद गुणवत्ता और सुस्थिर विनिर्माण प्रथाओं पर केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

एफपीआई ने अक्टूबर में पूंजी बाजार में लगाये 21,167 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर में अब तक भारतीय पूंजी बाजार में 21,167 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। लगातार चार महीने की बिकवाली के बाद एफपीआई का रुख सकारात्मक रहा है। इससे पहले सितंबर में उन्होंने 12,571 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। खास बात यह रही कि इस महीने इक्विटी में भी उनका निवेश तीन महीने बाद सकारात्मक हुआ है। इक्विटी में उन्होंने 6,480 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। डेट में एफपीआई ने 12,475 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। वहीं, म्यूचुअल फंड से उन्होंने 357 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट्स में भी उन्होंने 2,565 करोड़ रुपये का निवेश किया। एफपीआई इस साल अब तक भारतीय पूंजीबाजार में शुद्ध रूप से बिकवाल रहे हैं। मार्च, मई और अब अक्टूबर को छोड़कर अन्य सात महीने उन्होंने बाजार से पैसे निकाले हैं। इस साल अब तक कुल मिलाकर उन्होंने 63,444 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है।

एचडीएफसी बैंक को दूसरी तिमाही में 18,641 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

मुंबई। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकल आधार पर 18,641 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही 16,821 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.82 प्रतिशत अधिक है।बैंक ने वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि वित्त वर्ष के दौरान ब्याज से प्राप्त उसकी कुल आय 3.61 प्रतिशत बढ़कर 76,691 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 31,550 करोड़ रुपये रही जो सालाना आधार पर 4.8 प्रतिशत बढ़ी है। बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) एक साल पहले के 1.36 प्रतिशत से घटकर 30 सितंबर 2025 को 1.24 प्रतिशत रही। शुद्ध एनपीए 0.41 प्रतिशत से बढ़कर 0.42 प्रतिशत पर पहुंच गयी। तिमाही के दौरान परिचालन से प्राप्त राजस्व 91,041 करोड़ रुपये रहा जिसमें खुदरा बैंकिंग से प्राप्त आय 75,585 करोड़ रुपये रहा। समग्र आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 19,611 करोड़ रुपये रहा। दूसरी तिमाही में बैंक के पास औसत जमा राशि 27,105 अरब रुपये रही। चालू खाता और बचत खाते में औसत जमा राशि 8.5 प्रतिशत बढ़कर 8,770 अरब रुपये रही। बैंक द्वारा दिये गये ऋण में 9.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 27,692 अरब रुपये पर पहुंच गयी। इसमें खुदरा ऋण 7.4 प्रतिशत बढ़ा।

चावल, चीनी, दालों में नरमी; गेहूं महंगा; खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव घट गये। दालों और चीनी में भी नरमी रही। वहीं, गेहूं की कीमत बढ़ गयी जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 26 रुपये घटकर 3,834.21 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं का भाव आठ रुपये बढ़कर 2,860.50 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। आटे की कीमत चार रुपये की तेजी के साथ 3,312.81 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया। मूंगफली तेल की औसत कीमत 175 रुपये और वनस्पति की 43 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। सोया तेल की कीमत में 10 रुपये की गिरावट रही। पाम ऑयल 40 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सरसों तेल 68 रुपये और सूरजमुखी तेल 40 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। दाल-दलहनों में चना दाल की औसत कीमत 48 रुपये और मसूर दाल की 62 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। तुअर दाल 148 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मूंग दाल की औसत कीमत 45 रुपये और उड़द दाल की 57 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 33 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। चीनी भी चार रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

पिछले साल के मुकाबले नवरात्रि पर इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की 20-25 फीसदी अधिक बिक्री: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के बाद बाजार में इस बार रिकॉर्ड खरीदारी देखी जा रही है।ो केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस नवरात्रि में इलेक्ट्रॉनिक्स की रिकॉर्ड बिक्री हुई है। जितनी भी रिटेल चेन हैं उन सबसे जो डेटा आया है, उसके हिसाब से पिछले नवरात्रि के मुकाबले इस बार 20 से 25 प्रतिशत अधिक बिक्री हुई है। इसमें 85 इंच टीवी का तो स्टॉक खत्म हो गया है।

नेशनल मीडिया सेंटर में ो आयोजित प्रेसवार्ता में अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की बिक्री की जानकारी देते हुए कहा कि जी एसटी बदलाव के कारण बहुत सारे परिवारों ने पुरानी टीवी को अपग्रेड कर नए टेलीविजन खरीदे। बहुत सारे परिवारों ने अपने पुराने स्मार्टफोन को अपग्रेड कर नए स्मार्टफोन खरीदे। इसी तरह

वॉशिंग मशीन हो, चाहे एयर कंडीशनर्स हो, चाहे मोबाइल फोन्स हो, सेट टॉप बॉक्सेस हो, इन सबकी बिक्री में इस नवरात्रि में रिकॉर्ड बिक्री हुई। बाजार अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में 20 से 25 प्रतिशत से अधिक सेल हुई। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से खाद्य महंगाई दर में काफी कमी आई है। चार महीने से खाने-पीने की चीजों के दाम कम हुए हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रोनिक्स के सामान की मांग बढ़ने से उसका सीधा असर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र पर सकारात्मक रूप से देखने को मिल रहा है। इस क्षेत्र का विकास दोगुनी रफ्तार से देखा जा रहा है। इससे 25 लाख लोगों को परोक्ष रूप से रोजगार मिला है। इसके साथ उन्होंने बताया कि अमेरिका को स्मार्ट फोन के निर्यात में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। इसमें हाईएंड फोन शामिल है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। हमारे देश में बड़ी कंपनियां के फोन की मैन्यूफैक्चरिंग में बढ़ोतरी हुई है। उनकी कुल मैन्यूफैक्चरिंग का करीब 20 प्रतिशत अब भारत में हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश में दूसरा सेमीकंडक्टर प्लांट शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि जब जीएसटी का बहुत बड़ा रिफॉर्म प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री ने किया था तब कई आशंकाएं जताई गई कि खपत और मांग किस तरह से बढ़ेगी। पिछले साल 335 लाख करोड़ की जीडीपी है, उसमें से 202 लाख करोड़ हमारी खरीदारी है और 98 लाख करोड़ का इन्वेस्टमेंट है। सामान्य रूप से खपत में हर साल बढ़ोतरी होती है लेकिन इस साल जीएसटी सुधारों के कारण खपत में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई। इस साल यह बढ़ोतरी 10 प्रतिशत से अधिक देखने को मिलेगी। इस साल करीब 20 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त खपत होने की पूरी संभावना है।

निसान मैग्नाइट एएमटी सीएनजी के साथ लॉन्च, इंटीग्रेटेड फ्यूल लिड डिजाइन पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने दिवाली से पहले भारतीय ग्राहकों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी निसान मैग्नाइट के ऑटोमैटिक (श्रृं-शिफ्ट) वेरिएंट के लिए अब सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा शुरु कर दी है। पहले ये सुविधा सिर्फ मैनुअल वेरिएंट के लिए उपलब्ध थी, लेकिन ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए कंपनी ने इसे ऑटोमैटिक मॉडल के लिए भी लॉन्च कर दिया है। निसान मोटर इंडिया ने शुक्रवार को अपने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट प्रोग्राम के विस्तार करने का ऐलान किया। जीएसटी परिषद के हालिया फैसले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर 28 से घटाकर 18 फीसदी करने के बाद कंपनी ने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट की कीमत को घटाकर 71,999 रुपये कर दिया है। नई कीमतें 22 सितंबर से पूरे भारत में सभी अधिकृत निसान सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सेंटर पर प्रभावी हो गई हैं। कंपनी ने कहा कि सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा अपग्रेड के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। कंपनी ने कहा कि अब नई निसान मैग्नाइट क्रक्रा0 श्रृं-शिफ्ट (एएमटी) के लिए सरकार से प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट की पेशकश की गई है। नई निसान मैग्नाइट क्रक्रा0 मैनुअल ट्रांसमिशन में रेट्रोफिटमेंट को लेकर ग्राहकों की मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए उठाया गया है। निशान इंडिया मोटर ने कहा कि यह कदम सुगम, दक्ष और ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने की निसान की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और उल्लेखनीय पड़ाव है। कंपनी ने री-इंजीनियर्ड फ्यूलिंग सिस्टम की भी पेशकश की है। सीएनजी फिलिंग वाल्व को अब मौजूदा फ्यूल फिलिंग लिड के साथ इंटीग्रेट किया गया है, जिससे पहले के इंजन कंपार्टमेंट प्लेसमेंट को रिप्लेस करना संभव होगा।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ो कहा कि प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर भारत और अमेरिका के बीच बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में आगे बढ़ रही है। भारत किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वाणिज्य मंत्री ने जीएसटी बचत उत्सव पर यहां आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत के किसानों का, मछुआरों का, भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र का, जब तक देश हितों को पूरी तरह से हम संभाल नहीं लेते, तब तक कोई समझौता नहीं हो सकता। गोयल ने यह भी भरोसा जताया कि अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी। उन्होंने प्रस्तावित समझौते पर दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रगति और इसके कब तक पूरा होने से जुड़े एक सवाल पर कहा कि बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में चल रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि अमेरिकी शुल्क के कारण वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि होगी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले छह महीनों (अप्रैल-सितंबर) के दौरान देश के

वस्तु एवं सेवा निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है। गोयल ने कहा कि अप्रत्यक्ष कर 140 करोड़ भारतीयों को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। उपभोक?ताओं को अब जीएसटी कटौती के माध्यम से 2.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ दिया गया है। कर कटौती के कारण गुणक प्रभाव ने पहले ही अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा, मारुती सुजुकी की 1.65 लाख गाड़ियां नवरात्रि के 8 दिनों में बिकी हैं। नवरात्रि के दिनों में महिंद्रा की बिक्री 60 फीसदी तक बढ़ी है। मुझे पूरा विश्वास है कि नवरात्रि के बाद से देश में जो वातावरण पैदा हुआ है, वह हर घर तक पहुंचा है। आज देश में स्वदेशी की भावना पैदा हुई है। भारत में हर घर तक शौचालय, पानी और बिजली पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में एक समावेशी विकास देखने को मिला है।

दिल्ली के यशोभूमि में 12 नवंबर को जनजातीय व्यवसाय सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। जनजातीय व्यवसाय सम्मेलन 2025 यहां के यशोभूमि में 12 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) जनजातीय मामलों के मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

डीपीआईआईटी के मुताबिक इसका उद्देश्य राष्ट्र की विकास यात्रा में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर साबित होगा। यह एक ऐसी पहल है जो पूरे भारत में जनजातीय उद्यमियों को सशक्त बनाकर समावेशी, नवाचार-संचालित और सतत विकास को बढ़ावा देती है।

बयान में बताया गया है कि वर्ष 2025 का विशेष महत्व है, क्योंकि राष्ट्र भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहा है, जिनके सत्यनिष्ठा, नवाचार और आत्मनिर्भरता के आदर्श न्याय और विकास की ओर भारत की यात्रा को प्रेरित करते हैं। यह सम्मेलन उनकी चिरस्थायी विरासत और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक उद्यमशीलता ढाँचों से जोड़ने की महत्वपूर्ण भूमिका को श्रद्धांजलि है, जिसे वर्ष भर चलने वाली राष्ट्रीय परियोजनाओं और समारोहों द्वारा समर्थित किया जाता है।

सम्मेलन की खास बातें-

रूट्स टू राइज़ (प्रस्तुति सत्र):- जनजातीय उद्यमियों के लिए निवेशकों, सीएसआर नेताओं और सरकारी निकायों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए एक अनूठा मंच, जो मार्गदर्शन, वित्तपोषण और इनक्यूबेशन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

ज्ञान सत्रः- वित्त, ब्रांडिंग, समावेशी विकास और उद्यमिता क्षमता निर्माण पर उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं द्वारा पैनल और मास्टरक्लास की सुविधा।

सीईओ फोरमः- नवाचार, कौशल विकास, स्थिरता और बाजार पहुँच के लिए रणनीतियों को आकार देने वाला नेतृत्व संवाद।

प्रदर्शनी और मंडपः- 100 से अधिक जनजातीय स्टार्टअप और सूक्ष्म उद्यम अपने शिल्प, कृषि-उत्पाद, वनोपज और हरित प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत करेंगे।

क्रेता-विक्रेता बैठकें:- ऐसे सत्र जो आदिवासी उत्पादकों को सीधे कॉर्पोरेट और सरकारी खरीद से जोड़ते हैं और दीर्घकालिक साझेदारियों को बढ़ावा देते हैं।

डीपीआईआईटी के मुताबिक यह कॉन्क्लेव आदिवासी उद्यमिता और नवाचार को मुख्यधारा में लाने, स्वदेशी उत्पादों के लिए ब्रांडिंग और बाज़ार पहुंच को बढ़ाने, आदिवासी समुदायों के लिए क्षमता निर्माण और कौशल विकास को प्राप्त करने और मज़बूत बाज़ार संपर्क, वित्त तक सुगम पहुंच और अधिक निवेश के अवसरों को सुगम बनाने के लिए तैयार है।

इस सम्मेलन के प्रमुख रणनीतिक साझेदारों में फिक्की, स्टार्टअप इंडिया और एमएसएमई क्लस्टर्स फाउंडेशन शामिल हैं, जो जमीनी स्तर पर नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत मंच सुनिश्चित करते हैं।

भगोड़े मेहुल चोकसी को बड़ा झटका, कोर्ट ने प्रत्यर्पण को दी मंजूरी; आदेश के खिलाफ करेगा अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएनबी घोटाले का आरोपी और भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को बड़ा झटका लगा है। एंटवर्प कोर्ट ने उसके भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है। इस घटनाक्रम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने कहा कि भारत के अनुरोध पर बेल्जियम के अधिकारियों की ओर से उसकी गिरफ्तारी वैध थी। एंटवर्प की एक अदालत ने भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी। अधिकारियों ने बताया कि यह आदेश भारत द्वारा उसके प्रत्यर्पण के मामले को पुख्ता मान्यता प्रदान करता है, क्योंकि चोकसी के पास बेल्जियम की एक उच्च न्यायालय में इस फैसले के खिलाफ अपील करने का विकल्प है।

चोकसी को तुरंत भारत नहीं

भेजा जाएगा

एंटवर्प की कोर्ट ने साफ कहा कि भारतीय एजेंसियों की मांग वैध है और बेल्जियम पुलिस की ओर से की गई गिरफ्तारी कानूनी रूप से वैध थी। कोर्ट के फैसले के साथ भारत की एजेंसियां सीबीआई और ईडी को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है। हालांकि चोकसी के वकीलों ने कोर्ट में कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ उच्च अदालत में अपील करेंगे। इसलिए फिलहाल चौकसी को तुरंत भारत नहीं भेजा जाएगा।

कोर्ट ने गिरफ्तारी को वैध करार दिया

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'आदेश हमारे पक्ष में आया है। अदालत ने भारत के अनुरोध पर बेल्जियम के अधिकारियों द्वारा उसकी गिरफ्तारी को वैध करार दिया है। उसके प्रत्यर्पण की दिशा में पहला कानूनी कदम अब स्पष्ट है।'

13,000 करोड़ रुपए का घोटाला

बेल्जियम के अभियोजकों को विदेश मंत्रालय और सीबीआई के भारतीय अधिकारियों ने चोकसी द्वारा अपने भतीजे नीरव मोदी के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक में 13,000 करोड़ रुपये का घोटाला करने के कथित अपराध पर मजबूत दलीलें पेश करने में मदद की। अधिकारियों ने बताया कि अभियोजकों ने अदालत को बताया कि उसके फरार होने का खतरा बना हुआ है और उसे जेल से रिहा नहीं किया जा सकता।

जीएसटी सुधारों को जनता ने बेहतर तरीके से अपनाया : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी सुधारों को देश की जनता ने सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। जीएसटी 2.0 की शुरुआत नवरात्रि के पहले दिन की गई थी। लोगों ने इसे बेहद अच्छे तरीके से अपनाया है। नई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) 2.0 दरें लागू होने के करीब एक महीने बाद वित्त मंत्री सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आईटी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने धनतेरस पर यहां एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। सीतारमण ने बताया कि इन कटौतियों से भारतीयों को कैसे लाभ हुआ है। जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार जिन 54 दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कड़ी नज़र रख रही है, उनमें से प्रत्येक में जीएसटी सुधारों के कारण कर लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाया गया है। जीएसटी दर में कटौती और इसके लाभों पर वित्त मंत्री ने कहा, ऑटोमोबाइल क्षेत्र जीएसटी दर में कटौती के बारे में मुखर रहा है जिससे बिक्री में वृद्धि हुई है। तीन पहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़कर 84077 इकाई हो गई। उन्होंने सुधारों के सकारात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला और सभी क्षेत्रों में वाहनों की मज़बूत बिक्री का ज़िक्र किया। सीतारमण ने कहा कि तिपहिया वाहनों की बिक्री साल-दर-साल 5.5 फीसदी बढ़ी, जबकि दोपहिया वाहनों की बिक्री 21.6 लाख इकाई तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि सितंबर में अकेले यात्री वाहनों की बिक्री 3.72 लाख रही, जो महीने के आखिरी नौ दिनों में हुई खरीदारी की वजह से हुई। उन्होंने कहा कि कर में कटौती केवल त्योहारी सीजन के लिए ही नहीं की गई है।

इस दीपावली अपनों को उपहार में दीजिए फास्टैग वार्षिक पास : एनएचएआई

एजेंसी

नई दिल्ली। दीपावली पर फास्टैग वार्षिक पास एक बेहतरीन त्योहारी उपहार के रूप में किसी को दिया जा सकता है। सरकारी स्वामित्व वाली भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने ो कहा कि अब राजमार्ग यात्रा ऐप के जरिए किसी को भी फास्टैग वार्षिक पास उपहार में दिया जा सकता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यात्रा को आसान और आरामदायक बनाने वाला, फास्टैग वार्षिक पास इस त्योहारी सीजन में यात्रियों के लिए एक बेहतरीन उपहार हो सकता है, जो उन्हें देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर सालभर की परेशानी मुक्त यात्रा का अवसर प्रदान करता है। मंत्रालय ने कहा कि राजमार्ग

यात्रा ऐप के जरिए वार्षिक पास उपहार में दिया जा सकता है। इसके लिए ऐप पर 'पास जोड़ें' विकल्प पर क्लिक करके, उपयोगकर्ता उस व्यक्ति का वाहन नंबर और संपर्क विवरण जोड़ सकते हैं, जिसे वे फास्टैग वार्षिक पास उपहार में देना चाहते हैं। यह एक साधारण ओटीपी सत्यापन के बाद वार्षिक पास उस वाहन से जुड़े फास्टैग पर सक्रिय हो जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक फास्टैग वार्षिक पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को एक सहज और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करता है और यह पूरे भारत में लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर लागू है। वार्षिक पास एक वर्ष की वैधता यानी 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग के लिए 3,000 रुपये के एकमुश्त शुल्क भुगतान के माध्यम से फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की आवश्यकता को समाप्त करता है।

मंत्रालय ने कहा कि यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए लागू है। राजमार्ग यात्रा ऐप के माध्यम से एकमुश्त शुल्क का भुगतान करने के बाद, वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर वार्षिक पास दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है।

सितंबर में कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति में आई कमी

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर राहत देने वाली खबर है। खुदरा और थोक महंगाई दर के बाद कृषि और ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई (मुद्रास्फीति) सितंबर महीने में घटकर क्रमशः शून्य से 0.07 फीसदी नीचे और 0.31 फीसदी रह गई है। ये अगस्त में क्रमशः 1.07 फीसदी और 1.26 फीसदी रही था। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने ो बताया कि सितंबर महीने में कृषि श्रमिकों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-एएल) 0.11 अंक घटकर 136.23 रह गया। इस दौरान ग्रामीण श्रमिकों का सूचकांक (सीपीआई-आरएल) भी 0.18 अंक घटकर 136.42 के स्तर पर पहुंच गया। अगस्त में सीपीआई-एएल 136.34 अंक और सीपीआई-आरएल 136.60

अंक रहे थे। कृषि मजदूरों के लिए खाद्य सूचकांक में 0.47 अंक और ग्रामीण मजदूरों के लिए 0.58 अंक की कमी आई है। मंत्रालय ने कहा, ÷सितंबर में खाद्य मुद्रास्फीति कृषि मजदूरों के लिए शून्य से 2.35 फीसदी नीचे और ग्रामीण मजदूरों के लिए शून्य से 1.81 फीसदी नीचे रही है।

सीतारमण ने बल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के बेल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक (केएजीबी) के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने केएजीबी को अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए जमीनी स्तर पर कृषि ऋण वितरण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सलाह दी। सीतारमण ने सभी हितधारकों को क्षेत्र में संबद्ध कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। डीएफएस सचिव एम नागराजू, नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी, केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वित्त मंत्री ने समीक्षा के दौरान ऋण वितरण वृद्धि, एनपीए, वित्तीय समावेशन के तहत प्रदर्शन और केएजीबी की सरकार की प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया। केएजीबी और केनरा बैंक को विशेष रूप से एमएसएमई और संबद्ध क्षेत्र को ऋण वितरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया। सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों से आग्रह किया कि वे अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं।

घरेलू बचत में बदलाव भारत के आर्थिक भविष्य की दिशा तय करेगा, एलारा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की दुनिया की सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की महत्वाकांक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश अपने घरों की बचत को कितनी प्रभावी ढंग से उत्पादक संपत्तियों में लगाता है। यह बात एलारा सिक्योरिटीज की हालिया रिपोर्ट में कही गई है।

आने वाले वर्षों में बदलाव की संभावना

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में घरेलू बचत का संरचना में बड़ा परिवर्तन हो रहा है। यह बदलाव अनुकूल जनसांख्यिकी, सरकारी सुधार, आर्थिक नीतियां और मजबूत डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा समर्थित है। ये सभी कारक आने वाले वर्षों में भारतीय घरों के बचत और निवेश के तरीके में स्पष्ट बदलाव लाने की संभावना रखते हैं।

अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति

रिपोर्ट ने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के लिए घरेलू बचत को उत्पादक संपत्तियों की ओर निर्देशित करना आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि भारत में घरेलू बचत का रिटर्न, जोखिम और तरलता प्रोफाइल तेजी से बदल रहा है, लेकिन वित्तीय बचत अभी भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम है।

ब्रोकरेज का अनुमान है कि भारत की सकल वित्तीय बचत आने वाले वर्षों में तीन गुना से अधिक बढ़ सकती

है, और यह देश की जीडीपी का लगभग 11 से 12 प्रतिशत हिस्सा बन सकती है। इसमें यह भी देखा गया कि घरेलू बचत दर, यानी सकल उपलब्ध आय के प्रतिशत के रूप में, कई अन्य देशों की तुलना में अधिक है। यह उच्च बचत दर निवेश के लिए एक महत्वपूर्ण घरेलू पूंजी स्रोत के रूप में काम करती है और आर्थिक विकास को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है।

वर्षों के दौरान, भारत में बचत का स्वरूप पारंपरिक रूपों जैसे बैंक जमा और नकद से बदलकर पूंजी बाजार, निवेश योजनाओं और पेंशन स्कीमों की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट ने इस बदलाव को उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार से जोड़ा गया है, जिसने वित्तीय निवेश को अधिक सलभ और सुविधाजनक बना दिया है।

बैंक डिपॉजिट का हिस्सा वित्त वर्ष 71-80 में 50 प्रतिशत से अधिक था, जो वित्त वर्ष 24 तक घटकर 40 प्रतिशत से कम हो गया, जो बैंकों के लिए चुनौती बन सकता है। नकद होल्डिंग पिछले चार दशकों में लगभग 10फीसदी पर स्थिर रही, जो डिजिटल लेन-देन में वृद्धि के बावजूद नकद को मूल्य भंडार के रूप में रखने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। बचत पूंजी बाजार और पेंशन योजनाओं की ओर बढ़ रही है, क्योंकि ये उच्च रिटर्न, लंबी अवधि की संपत्ति सृजन और कर लाभ प्रदान करते हैं। रिपोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि घरेलू बचत के बदलते स्वरूप पर ध्यान केंद्रित करना भारत की आर्थिक प्रगति के लिए अहम है, और इसे उत्पादक संपत्तियों में सही तरीके से निर्देशित करना ही तय करेगा कि देश अपने विकास और वृद्धि लक्ष्यों को कितनी प्रभावी ढंग से हासिल करता है।

I am Sorry !!!!